■ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी..

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-8 अंक -24)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 17 जुलाई ,2023

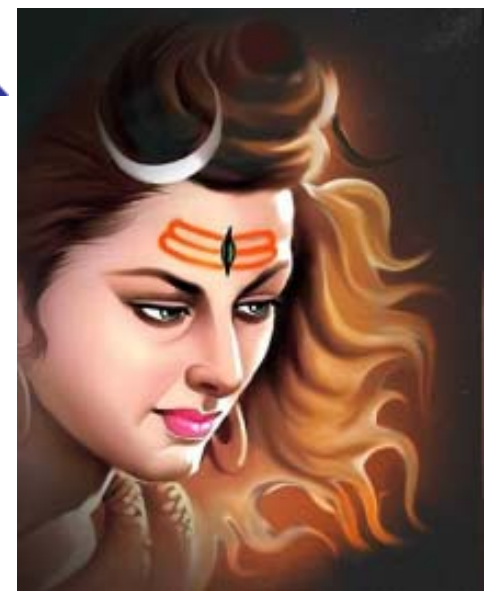

▶ मेरी प्राइवेट तस्वीरें वायरल कर सकता है आलोक'

▶ सिर पर दाहिने तरफ से गोली घुसी बाएं तरफ से आरपार होकर निकली

▶ दुनिया का एकमात्र 1001 छिद्रों वाला महामृत्युंजय मंदिर

न्यूज संक्षिप्त

यूपी में जनता को मिलेगी सस्ती बिजली

लखनऊ। योगी सरकार ने प्रदेश में उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली मुहैया कराने के लिए गंभीर प्रयास शुरू कर दिए हैं। इन्हीं प्रयासों के क्रम में मंगलवार को लोकभवन में सीएम योगी की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में सोनभद्र के ओबरा में लगभग 18 हजार करोड़ की लागत से 800-800 मेगावाट की 2 तापीय परियोजनाओं 'ओबरा डी' को मंजूरी प्रदान की गई। इन परियोजनाओं को एनटीपीसी के साथ 50-50 प्रतिशत हिस्सेदारी में पूर्ण किया जाएगा। इसमें 30 प्रतिशत की इक्विटी दी जाएगी, जबकि 70 प्रतिशत राशि का प्रबंध वित्तीय संस्थानों से किया जाएगा। खास बात ये होगी कि यह राज्य की पहली अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल यूनिट होगी। ऐसा प्लांट अब तक प्रदेश में नहीं बना है। इस तरह के प्लांट की टेक्नोलॉजी एडवांस होती है, इनकी एफिशिएंसी काफी ज्यादा होती है और कोयले का कंजंप्शन भी काफी कम होता है। इसके चलते कॉस्ट में भी कमी आती है। निश्चित रूप से इसका लाभ उपभोक्ताओं को मिलेगा।

बृजभूषण सिंह का गुनाह सजा के काबिल

दिल्ली पुलिस के आरोपपत्र में कहा गया है कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न, छेड़छाड़ और पीछा करने के अपराधों के लिए मुकदमा चलाया जा सकता है और दंडित किया जा सकता है। छह पहलवानों द्वारा दायर शिकायतों की जांच के बाद अदालत के समक्ष आरोप पत्र दायर किया गया। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, मामले में सिंह पर धारा 506 (आपराधिक धमकी), 354 (एक महिला की विनम्रता को अपमानित करना), 354 ए (यौन उत्पीड़न); और 354 डी (पीछा करना) लगाई गई है।

एनआरआई छात्रों से 75 की जगह वसूली जा रही पौने चार लाख रुपए फीस

जबलपुर। जबलपुर। मप्र मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी में एनआरआई छात्रों से 48 सौ यूएस डालर फीस वसूली को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रवि मलिमठ व न्यायाधीश विशाल मिश्रा की खंडपीठ ने इस मामले में यूनिवर्सिटी के कुलसचिव सहित अन्य पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब देने के निर्देश दिए हैं।

याचिकाकर्ता युद्धवीर सिंह सहित अन्य आठ डॉक्टरों की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ताओं को एनआरआई कोटे के तहत निजी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश लिया था। उनका एमबीबीएस कोर्स साल 2021 में पूरा हो गया था। इंटर्नशिप साल 2023 में पूर्ण हो गई थी। इसके बाद उन्होंने प्रोविजनल डिग्री के लिए मेडिकल यूनिवर्सिटी में आवेदन दिया था। प्रोविजनल डिग्री जारी करने के लिए 48 सौ यूएस डालर यानि तीन लाख 84 हजार रुपए फीस मांगी जा रही है। जबकि, इसकी फीस मात्र 75 रुपए है। याचिका में प्रमुख सचिव व डायरेक्टर मेडिकल एजुकेशन तथा मेडिकल यूनिवर्सिटी को अनावेदक बनाया था। सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने अनावेदकों को नोटिस जारी किए हैं।हाईकोर्ट ने एक मामले में अहम व्यवस्था देते हुए कहा कि रिफंड की राशि लौटाते समय ज्याज देना वैधानिक आवश्यकता है। जस्टिस शील नागू व जस्टिस एके सिंह की खंडपीठ ने वैट अधिनियम की धारा 37(5) की व्याख्या करते हुए कहा कि यदि किसी करदाता को रकम की वापसी का आदेश दिया जाता है।

बाढ़ पर आप का गंभीर आरोप

दिल्ली डूबी नहीं डुबोई गई है साजिशन केवल दिल्ली में छोड़ा गया पानी

नई दिल्ली। आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि आज दिल्ली के अंदर बिना बारिश के जो बाढ़ आई है, यह एक प्रायोजित की हुई आपदा है। यह प्राकृतिक आपदा नहीं है। इस बात को हम पूरी जिम्मेदारी के साथ कह सकते हैं। यमुना में आई उफान से दिल्ली में हाहाकार मचा है। आईटीओ, राजघाट, लालकिला, कश्मीरी गेट, सुप्रीम कोर्ट सहित कई इलाके पानी में डूबे हैं। निचले इलाके से हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सड़क किनारे शरण लेनी पड़ी है। सरकार और प्रशासनिक अमला राहत-बचाव कार्य में जुटा है। साथ ही अब इस मुद्दे पर राजनीति भी शुरू हो गई है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि दिल्ली डूबी नहीं डुबोई गई है। आप सांसद संजय सिंह, मंत्री सौरभ भारद्वाज, सीएम अरविंद केजरीवाल सहित कई अन्य नेताओं ने कहा

कि साजिशन दिल्ली में इतना पानी छोड़ा गया कि आज राष्ट्रीय राजधानी की यह दशा हो गई है।आप ने दिल्ली में बाढ़ के हालात के पीछे भाजपा और केंद्र सरकार की गहरी साजिश करार दिया है। आप का कहना है कि नफरत व दुर्भावना के चलते 9 से 13 जुलाई तक सारा पानी दिल्ली की ओर छोड़ा गया। दिल्लीवालों ने दिल्ली में अरविंद केजरीवाल को जिता दिया और एमसीडी में भी 'आप' की सरकार बना दी। इसलिए भाजपा दिल्ली से इतनी नफरत करती है।

राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली में आई बाढ़ भाजपा व केंद्र सरकार द्वारा प्रायोजित थी। दिल्ली में तीन दिनों से बारिश नहीं हुई है, फिर भी यमुना का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया, क्योंकि हथिनीकुंड से सारा पानी दिल्ली की ओर यमुना में छोड़ा गया। जबकि, ऐसी स्थिति में हथिनी कुंड से उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली की तरफ बराबर पानी छोड़ा जाता है।

राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कहा कि देश के पांच राज्य हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश पूरी तरह से बाढ़ से प्रभावित हैं। अगर हम दिल्ली की बात करें तो राजधानी में पिछले तीन दिनों से बारिश नहीं हुई है, ऐसे में यहां बाढ़ आने के पीछे की क्या वजह है। सांसद संजय सिंह ने कहा कि आज दिल्ली के अंदर बिना बारिश के जो बाढ़ आई है, यह एक प्रायोजित की हुई आपदा है। यह प्राकृतिक आपदा नहीं है। इस बात को हम पूरी जिम्मेदारी के साथ कह सकते हैं।

सांसद संजय सिंह ने कहा कि हरियाणा में हथिनी कुंड बैराज से एक तरफ पानी दिल्ली की यमुना में आता है, इसके अलावा उत्तर प्रदेश के रास्ते जाता है और कैनाल के रास्ते हरियाणा की तरफ पानी छोड़ा जाता है। बाढ़ की स्थिति होने पर अगर यह तीनों रास्तों में बराबर पानी छोड़ते तो दिल्ली भी सुरक्षित रहती, हरियाणा भी सुरक्षित रहता और उत्तर प्रदेश का इलाका भी सुरक्षित रहता। लेकिन, सारा पानी दिल्ली में ही छोड़ दिया।

मानहानि मामले में राहुल गांधी कर रहे रोक लगाने की मांग

कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी दी मोदी टिप्पणी के मानहानि मामले पर उनकी सजा पर रोक लगाने से गुजरात हाईकोर्ट मना कर चुका है। इस फैसले को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की गई है। इसके परिणामस्वरूप उन्हें संसद सदस्य के तौर पर अयोग्य घोषित किया गया है। – भारतीय दंड संहिता की धारा 499-500 के तहत मानहानि का अपराध केवल एक परिभाषित समूह के संबंध में आकर्षित होता है। मोदी एक अपरिभाषित अनाकार समूह है जिसमें लगभग 13 करोड़ लोग देश के विभिन्न हिस्सों में रहते हैं और विभिन्न समुदायों से संबंधित हैं। आईपीसी की धारा 499 के तहत मोदी शब्द व्यक्तियों के संघ या संग्रह की किसी भी श्रेणी में नहीं आता है।– टिप्पणी शिकायतकर्ता के खिलाफ नहीं थी – जानकारी के मुताबिक राहुल गांधी ने टिप्पणी की, सभी चोरों का उपनाम एक जैसा क्यों होता है? ललित मोदी और नीरव मोदी का जिक्र करने के बाद. टिप्पणी विशेष रूप से कुछ निर्दिष्ट व्यक्तियों को संदर्भित कर रही थी और शिकायतकर्ता, पूर्णेश ईश्वरभाई मोदी को उक्त टिप्पणी से बदनाम नहीं किया जा सकता है, जिसे विशिष्ट व्यक्तियों के संदर्भ में एक विशिष्ट संदर्भ में संबोधित किया गया था। – शिकायतकर्ता के पास केवल गुजरात का मोदी उपनाम है, जिसने न तो दिखाया है और न ही किसी विशिष्ट या व्यक्तिगत अर्थ में पूर्वाग्रहग्रस्त या क्षतिग्रस्त होने का दावा किया गया है। तीसरा, शिकायतकर्ता ने स्वीकार किया कि वह मोढ़ वणिका समाज से आता है। यह शब्द मोदी के साथ नहीं है और मोदी उपनाम विभिन्न जातियों में मौजूद है।

दिल्ली के मैंगो फेस्टिवल में अंगूर से पपीते के आकार तक के आम

नई दिल्ली। नई दिल्ली। कोरोना की वजह से नहीं हो सका दिल्ली का आम महोत्सव तीन साल बाद शुक्रवार को फिर शुरू हो गया। पर्यटन मंत्री आतिशी ने जनकपुरी के दिल्ली हाट में तीन दिन चलने वाले 32वें आम महोत्सव का शुभारम्भ किया। इसमें आम की 500 अलग अलग प्रजातियों के साथ अंगूर से लेकर पपीते तक के आकार के आम भी प्रदर्शित किए गए हैं। पहले दिन बड़ी संख्या में लोग विभिन्न किस्मों से रूबरू हुए। महोत्सव के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों और आम से जुड़ी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया जाएगा।महोत्सव का उद्घाटन करने के बाद आतिशी ने अलग अलग स्टॉल्स पर प्रदर्शित आम की किस्मों का अवलोकन किया और इनके बारे में जानकारी हासिल की। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित %आम महोत्सव% पर्यटन को बढ़ावा देने, जनसाधारण को आम की किस्मों से अवगत करवाने, छोटे-बड़े आम उत्पादकों को व्यापार आगे बढ़ाने का मंच प्रदान करने दिशा में अनूठी पहल है। यह लोगों को आमों के बागों से लेकर थाली तक के सफर का अनुभव करने का अवसर प्रदान करेगी। दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक चलने वाली प्रदर्शनी में प्रवेश नि:शुल्क है। लोगों की सुगम आवाजाही के लिए तिलक नगर मेट्रो स्टेशन से फ्री शटल सेवा की भी व्यवस्था की गई है।

लुटेरा दूल्हा : लव मैरिज के बाद पत्नी के लाखों के सोने-चांदी के जेवर लेकर फरार

बरेली। भमोरा के देवचरा निवासी युवती ने बताया कि उसे पड़ोसी मोहित शर्मा से प्रेम प्रसंग हो गया। वह दो साल से पति-पत्नी की तरह लिव इन रिलेशनशिप में रहते रहे। उन्होंने इज्जतनगर के शास्त्री नगर में किराये पर कमरा ले लिया। चार जून को प्रेमी युगल ने मंदिर में शादी कर ली। युवती अपने मायके से सात लाख 65 जार के जेवर साथ लाई थी जो मोहित ने अपने पास रख लिए। एक सप्ताह बाद मोहित मारपीट करने लगा। इसकी शिकायत युवती ने महिला थाने में की तो उसके पति ने फोन बंद कर लिया।

दक्षिण कोरिया में भारी बारिश से बाढ़ और भूस्खलन, सुरंग से सात शव निकाले गए

सियोल। दक्षिण कोरिया में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही मची है। बचावकर्मियों ने बाढ़ के पानी से भरी सुरंग से सात शव निकाले हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बारिश के कारण हुए हादसों में 33 लोगों की जान गई है ।

और हजारों लोगों को अपने घर-बार छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा है। शहर के अग्निशमन विभाग के प्रमुख सेओ जेयोंग-इल ने संवाददाताओं को बताया कि गोताखोरों सहित लगभग 400 बचावकर्मी चेओंगजू शहर स्थित सुरंग में बचाव अभियान चला रहे हैं। इस सुरंग में शनिवार शाम अचानक आई बाढ़ में बस और कई वाहन फंस गए थे।

सोशल मीडिया पर साझा घटनास्थल के फोटो और वीडियो में दिखाई दे रहा है कि बचावकर्मी घेराबंदी करके सुरंग से पानी निकाल रहे हैं और गोताखोर रबर की नावों के जरिये सुरंग के अंदर-बाहर आ-जा रहे हैं। उत्तर

चुंगचेओंग प्रांत के दमकल विभाग के अधिकारी यांग चान मो ने बताया कि सुरंग से पूरा पानी निकालने में कई घंटे लग जाएंगे। उन्होंने कहा, सुरंग में चार से पांच मीटर की ऊंचाई तक पानी, मिट्टी और मलबा भरा है। बचावकर्मी संभल-संभलकर आगे बढ़ रहे हैं, ताकि पानी में फंसा कोई व्यक्ति बह न जाए। सियो ने बताया कि सुरंग से नौ लोगों को बचाया गया है, जबकि 11 अन्य का फिलहाल पता नहीं लगाया जा सका है।

भाजपा के 9 साल में ना महंगाई कम हुई ना ही युवाओं को रोजगार का वादा हुआ पूरा

टोंक। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवासन बी.वी. ने कहा कि अब नरेंद्र मोदी का झूठ नहीं चलेगा। क्योंकि नौ साल में न तो महंगाई कम हुई और ना ही युवाओं को रोजगार दिए जाने का वादा पूरा हुआ।श्रीनिवासन राजस्थान के कोटा में आयोजित कार्यक्रम में जाते समय राज मिड-वे पर मीडिया से बातचीत के दौरान ये बात कही। उन्होंने कहा कि युवा कांग्रेस कार्यकर्ता केंद्र सरकार की जनविरोधी नीतियों एवं राज्य की कांग्रेस सरकार की

जनकल्याणकारी योजनाओं को बूथ तक पहुंचाने में अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे।भारत जोड़ो यात्रा का मिला फायदा- कर्नाटक में कांग्रेस की जीत का उदाहरण देते हुए कहा कि राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो यात्रा जिस रास्ते से कर्नाटक से निकली थी, वहां कांग्रेस की जीत हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही नहीं पूरा मन्त्रिण्डल कर्नाटक में डेरा डालने के बावजूद भाजपा की हार इस बात को दर्शाता है कि अब भाजपा अपना जनाधार खो चुकी है। सचिन पायलट की तरफ से भाजपा शासित पूर्व शासन में तत्कालीन मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के कार्यकाल में भ्रष्टाचार के मुद्दे मामले में श्रीनिवासन जवाब टाल गए।

यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवासन का टोंक में 51 किलो की माला पहना करके जिलाध्यक्ष हंसराज गुंजल, जिला परिषद सदस्य भरतराज चौधरी आदि र्यकर्ताओं ने स्वागत किया।

निवाई. यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी निवासन का जयपुर से कोटा जाते समय निवाई बाईपास पर यूथ कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष मुकेश मीणा के नेतृत्व में स्वागत किया गया। इस दौरान यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस पुन-बहुमत की सरकार बनाकर इतिहास बनाने जा रही है। राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने का कार्य यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता को बहुत तेजी से करना होगा। इस दौरान जिला महासचिव विक्रम चौधरी, उपाध्यक्ष तैयब देशवाली, दयाराम चौधरी, गोड्क्षवद ड्क्षसहवाडिया मौजूद थे। इसी प्रकार गांव मूंडिया बाईपास पर यूथ उपाध्यक्ष बाबूलाल मीणा के नेतृत्व में स्वागत किया।

समाजवादी पार्टी छोड़ने के बाद दारा सिंह चौहान बीजेपी में फिर शामिल होंगे

समाजवादी पार्टी को छोड़ने के बाद पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान अब फिर से बीजेपी में शामिल होने जा रहे है। उन्हें बीजेपी में भूपेंद्र चौधरी और डिप्टी सीएम केशव मौर्य शामिल करवाएंगे। सोमवार 17 जुलाई को वो पार्टी में शामिल होंगे। इसके बाद लखनऊ में ही बीजेपी स्थित कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की जाएगी।पार्टी में शामिल होने के लिए दारा सिंह दिल्ली से लखनऊ पहुंचेंगे। बता दें कि एक दिन पहले ही दारा सिंह ने समाजवादी पार्टी से इस्तीफा दिया है। मऊ के घोषी से विधायक दारा सिंह ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना को इस्तीफा सौंपा था। इस पत्र में उन्होंने लिखा था कि मैं दारा सिंह चौहान मऊ जिले की घोसी सीट 354 से विधानसभा की सदस्यता से त्यागपत्र देता हूं। बता दें कि दारा सिंह चौहान ने वर्ष 2022 में बीजेपी का दामन छोड़कर समाजवादी पार्टी का दामन थामा था। हालांकि इससे पहले उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में वो वन एवं पर्यावरण मंत्रालय संभाल चुके है।माना जा रहा है कि उन्होंने अब तक ये साफ नहीं किया है ।

हेट स्पीच मामले में आजम खान को लगा बड़ा झटका, रामपुर कोर्ट ने सुनाई दो साल की सजा

समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खान के लिए मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। हेट स्पीच मामले में उन्हें रामपुर की एक अदालत ने आज दोषी करार दिया। इसके बाद उन्हें 2 साल की सजा सुनाई गई है। पूरा मामला 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान का है। आजम खान पर शहजाद नगर थाना क्षेत्र के धमोरा में हेट स्पीच देने का आरोप था। इसको लेकर 8 अप्रैल को एक मामला दर्ज कराया गया था। आजम खान पर आरोप है कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, तत्कालीन रामपुर जिला चुनाव अधिकारी और चुनाव आयोग को निशाना बनाते हुए भड़काऊ बयान दिया था।हालांकि, यह पहला मौका नहीं है जब आजम खान को हेट स्पीच के मामले में दोषी करार दिया गया है। इससे पहले भी उनपर अप्रैल 2019 के हेट स्पीच के मामले में दोषी करार दिया गया था। उन्हें इस मामले में 3 साल की सजा सुनाई गई थी। इसके बाद आजम खान की विधायकी भी चली गई थी। हालांकि बाद में आजम खान को इस मामले में अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश अमित वीर सिंह से राहत मिली थी। रामपुर की विशेष एमपी एमएलए कोर्ट द्वारा पारित अक्टूबर 2022 के आदेश को रद्द कर दिया गया था। हालांकि, तब तक रामपुर सीट पर उपचुनाव संपन्न हो चुके थे।

संपादकीय

उम्मीदों का चंद्रयान

यह देश के वैज्ञानिकों की मेधा व अनुसंधान का ही परिणाम है कि भारतीय संस्कृति में रचे-बसे चंद्रमा की सतह पर नई जानकारी जुटाने के लिये चंद्रयान-3 ने अपनी यात्रा की सफलतापूर्वक शुरुआत कर दी है।सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो चंद्रयान पांच अगस्त को चंद्रमा की कक्षा में दाखिल हो जायेगा। देश के चर्चित श्रीहरिकोटा स्पेस सेंटर से शुक्रवार दोपहर अपने अभियान की कामयाब शुरुआत करने वाले चंद्रयान-3 को लेकर भारतीय वैज्ञानिक आश्वस्त हैं कि एएलवीएम-3 रॉकेट उसे उसकी मंजिल तक सकुशल पहुंचा देगा। दरअसल वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-2 के घटनाक्रम से सबक लेकर प्रक्षेपण व सॉफ्ट लैंडिंग के मामले में अतिरिक्त सावधानी बरती है। शुरुआती कामयाबी से उत्साहित वैज्ञानिकों को विश्वास है कि अभियान में प्रयुक्त होने वाला लैंडर सफलतापूर्वक चांद के दक्षिणी छोर पर उतरेगा।हालांकि, दक्षिणी छोर में उतरना खासा जटिल है और भारत की कामयाबी एक नया इतिहास रचेगी। वैज्ञानिकों को भरोसा है कि 14 अगस्त भारतीय अंतरिक्ष अभियान के इतिहास में नया स्वर्णिम अध्याय लिखेगा। वैज्ञानिक उस दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं जब रोवर चंद्रमा के साउथ पोल की सतह पर चहलकदमी करेगा। चंद्रयान-3 ने शुरुआती चरण सफलतापूर्वक पूरे करके पृथ्वी की लक्षित कक्षा में स्थान पा लिया है जहां से वो चंद्रमा की कक्षा में प्रवेश करेगा।खट्टे-मीठे अनुभवों के साथ भारतीय चंद्रयान अभियान को पूरी दुनिया में इस बात का श्रेय तो दिया जाता है कि इसने सबसे पहले चंद्रमा पर पानी के कणों को खोजा है। दूसरा मिशन भारत के लिये नये सबक देने वाला साबित हुआ। सॉफ्ट लैंडिंग में सफलता न मिलने से सबक लेकर इस बार लैंडर के लिये अपनायी गई तकनीक में तमाम बदलाव किये गये हैं। दरअसल, भारतीय वैज्ञानिकों ने रोवर की लैंडिंग के लिये चांद के उस हिस्से साउथ पोल को चुना है, जिस पर धरती से साफ दृष्टि नहीं पड़ती, लेकिन इस बात की बड़ी संभावना है कि यहां पानी व बहुमूल्य खनिजों की उपस्थिति हो सकती है।निस्संदेह, यदि वास्तव में चंद्रयान तीन को कामयाबी मिलती है तो यह भारत ही नहीं, पूरी दुनिया के लिये बड़ी उपलब्धि होगी। विश्वास किया जा रहा है कि यदि चंद्रयान इस बार चांद की सतह के इस अछूते हिस्से से नई जानकारी जुटा पाया तो उससे चांद पर इंसान के रहने की संभावनाओं को नई दिशा मिल सकती है।निश्चय ही यह किसी चमत्कार से कम नहीं है कि कंप्यूटर और कृत्रिम मेधा के बूते लाखों किलोमीटर दूर किसी वैज्ञानिक अभियान को मूर्त रूप दिया जा रहा है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह अभियान विशुद्ध भारतीय मेधा और तकनीक की देन है। उस पर बहुत कम लागत में इसे अंतिम रूप दिया जाता है। चंद्रयान-2 के बारे में खूब कहा गया था कि यह अभियान किसी हॉलीवुड फिल्म की एक तिहाई लागत में सिरे चढ़ाया गया। भारतीय वैज्ञानिकों ने सीमित संसाधनों में लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में सफलता पायी है। यह अभियान उपकरणों व तकनीक की दृष्टि से आत्मनिर्भर भारत की जीवंत मिसाल है।बहरहाल, चंद्रयान-दो के घटनाक्रम से सबक लेकर आगे बढ़े ।

समर्थन-विरोध के बीच उपजे यक्ष प्रश्न

प्रधानमंत्री के इस दावे से कि एक घर में दो कानून नहीं हो सकते, उनकी इस सोच को दर्शाता है कि यूनिफॉर्म सिविल कोड के लागू होने से मुस्लिम महिलाओं से हो रहा अन्याय समाप्त हो जाएगा। उन्होंने इस बिल का विरोध करने वालों को मुस्लिम महिलाओं का विरोधी करार दिया है। उन्होंने इस विषय मे उच्चतम न्यायालय का भी हवाला देते हुए कहा है कि न्यायालय भी यूनिफॉर्म सिविल कोड के पक्ष में है और इसका विरोध नहीं होगा।मुज़्यमंत्री पुष्कर धामी की उज़राखंड सरकार द्वारा न्यायमूर्ति रंजना देसाई की अध्यक्षता में एक वर्ष पहले जो कमेटी बनाई गयी थी उसने यूसीसी पर अपनी रिपोर्ट तैयार कर ली है जिससे लगता है कि यह पहाड़ी राज्य जल्द ही इस कानून को लागू कर सकता है। इस प्रकार उज़राखंड देश का दूसरा राज्य होगा जहां यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू होगा

संसद की कानून और न्याय समिति के अध्यक्ष भाजपा सांसद सुशील मोदी और स्वास्थ्य राज्यमंत्री एसपी बघेल ने केंद्र सरकार से जनजातीय लोगों को यूसीसी से बाहर रखने की मांग उठाने पर साफ़ कर दिया है कि 2024 लोकसभा चुनावों के मद्देनजर भाजपा इस मांग को स्वीकार कर सकती है। पहले भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यह बयान दे चुके हैं कि धारा 371 के अंतर्गत आने वाले पूर्वोत्तर राज्यों के आदिवासियों की सदियों पुरानी परंपराओं की रक्षा आवश्यक है।प्रधानमंत्री पहले ही जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 और 35ए हटा कर संघ के एजेंडे को पूरा कर चुके हैं और राम मन्दिर के विषय में उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद मन्दिर का शिलान्यास कर चुके हैं। संघ के एजेंडे में अगला मुद्दा यूनिफॉर्म सिविल कोड है और मोदी सरकार 2024 के चुनावों से पहले इसे भी लागू करने के लिए तैयार है।प्रधानमंत्री के इस दावे से कि एक घर में दो कानून नहीं हो सकते, उनकी इस सोच को दर्शाता है कि यूनिफॉर्म सिविल कोड के लागू होने से मुस्लिम महिलाओं से हो रहा अन्याय समाप्त हो जाएगा। उन्होंने इस बिल का विरोध करने वालों को मुस्लिम महिलाओं का विरोधी करार दिया है। उन्होंने इस विषय मे उच्चतम न्यायालय का भी हवाला देते हुए कहा है कि न्यायालय भी यूनिफॉर्म सिविल कोड के पक्ष में है और इसका विरोध नहीं होगा।मुख्यमंत्री पुष्कर धामी की उत्तराखंड सरकार द्वारा न्यायमूर्ति रंजना देसाई की अध्यक्षता में एक वर्ष पहले जो कमेटी बनाई गयी थी उसने यूसीसी पर अपनी रिपोर्ट तैयार कर ली है जिससे लगता है कि यह पहाड़ी राज्य जल्द ही इस कानून को लागू कर सकता है। इस प्रकार उत्तराखंड देश का दूसरा राज्य होगा जहां यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू होगा क्योंकि 1867 में गोवा में पुर्तगाली शासकों ने ऐसा कानून लागू किया था। स्वतंत्रता के बाद कुछ बदलाव के साथ यह अभी भी वहां लागू है।भाजपा पुराने सहयोगी अकाली दल को मनाने की रणनीति पर काम कर रही है जो यूसीसी का विरोध कर रहा है। नियमों के अनुसार सिखों के विवाह का अलग कानून था, पंजीकृत करने का प्रावधान है लेकिन कई राज्यों ने इस सम्बंध में अधिसूचना जारी नहीं की है और इन्हें भी हिन्दू विवाह कानून के अंतर्गत ही पंजीकृत किया जा रहा है। समझा जाता है कि नए कानून में जनजातीय लोगों के साथ सिखों को भी इस कानून के दायरे से बाहर रखा जा सकता है। उच्चतम न्यायालय ने एक जनहित याचिका स्वीकार कर ली है जिसमें मांग उठाई गई है कि राज्यों को निर्देश दिए जाएं कि सिखों के विवाह 1909 के आनन्द कारज विवाह कानून के अंतर्गत ही पंजीकृत किए जाएं। साथ ही 2 जुलाई को सिख पर्सनल लॉ बोर्ड का भी गठन किया है जो यूनिफॉर्म सिविल कोड का विरोध करेगा।

जहां अधिकांश विपक्षी दल यूसीसी का विरोध कर रहे हैं वहीं आम आदमी पार्टी, शिव सेना, शिव सेना उद्धव ठाकरे गुट और बहुसंख्यक समाज पार्टी ने इस प्रस्तावित बिल का समर्थन किया है। मुस्लिम संगठन इसका पुरजोर विरोध कर रहे हैं। विपक्ष का मानना है कि इस समय इस बिल को लाने का कारण केवल भाजपा द्वारा 2024 के लोकसभा चुनावों में फायदा उठाना है क्योंकि इस कारण वोटों का ध्रुवीकरण होगा। जून 27 को प्रधानमंत्री ने अपने मध्य प्रदेश दौरे के दौरान इस मुद्दे पर ही ध्यान केंद्रित किया था। यह भी समझा जा रहा है कि भाजपा समर्थक कई क्षेत्रीय दल इसका समर्थन करेंगे क्योंकि इस केंद्रीय कानून को कई राज्य ठंडे बस्ते में डाल सकते हैं।भारत में मुस्लिम समुदाय पर 1937 का मुस्लिम पर्सनल लॉ (शरीयत) लागू है और यह समुदाय नए कानून को स्वीकार नहीं कर रहा है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड भी प्रस्तावित कानून का विरोध कर रहा है क्योंकि इसका मानना है कि नए कानून के लागू होने से समुदाय से वे हक छिन जाएंगे जो उन्हें पुराने कानून के द्वारा मिले हैं। नए प्रस्तावित कानून मे बहु विवाह को प्रतिबंधित किया गया है लेकिन केवल मुसलमानों में यह प्रथा चल रही है।

उधर विशेषज्ञों का मत है कि नए कानून को अंतिम रूप देने से पूर्व भारतीय दंड संहिता में संशोधन कर बहु विवाह प्रथा को मुसलमानों समेत सभी समुदायों के लिए प्रतिबंधित किया जा सकता है।कांग्रेस के साथ द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने संसदीय समिति को अपने अलग-अलग विरोध प्रस्ताव भेजे हैं और बिल का विरोध करने का निर्णय लिया है। इन दलों ने 2018 के इक्कीसवें लॉ कमीशन का हवाला दिया है जिसने इस वक़्त यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू न करने की बात कही है। स्मरण रहे कि संविधान निर्माता बाबा भीमराव अम्बेडकर का मानना था कि यूनिफॉर्म सिविल कोड चाहिए लेकिन अभी इसे निज विवेक पर छोड़ा जाए। इसी कारण संविधान में धारा 35 जोड़ी गई थी और इसे संविधान के भाग 4 के नीति-निर्देशक सिद्धांतों में शामिल किया गया था। यूसीसी कानून पर बहस 200 साल पुरानी है और दस्तावेज बताते हैं कि 1840 में इस मुद्दे को देश और समाज के कानूनों पर छोड़ने की बात कही गई थी। 1951 में ही यूनिफॉर्म सिविल कोड पर बहस चालू हुई थी जब अम्बेडकर ने हिन्दू कोड को लेकर नेहरू मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दिया था। निस्संदेह संसद में भी बिल पेश होने पर राजनीतिक दल अपनी-अपनी राजनीतिक आवश्यकताओं के हिसाब से समर्थन या विरोध करेंगे।

अपने में मग्न, अब हुए जलमग्न

अपने में मग्न दिल्ली अब जलमग्न है। भाई गुड़गांव और फरीदाबाद जैसे दिल्ली के पड़ोसी ही जलमग्न क्यों हों। दिल्ली को भी तो अनुभव होना चाहिए। बराबरी ऐसे ही आती है। वरना दिल्ली वाले गुड़गांव वालों का मजाक बनाते रहते कि क्यों भाई नाव से आए हो या तैरकर। अब खुद दिल्ली पानी में तैर रही है। गुड़गांव को जमना की जरूरत नहीं है। जलमग्न होने के लिए वह आत्मनिर्भर हो चुका है। हमारे सत्ताधारी इस बात पर गर्व कर सकते हैं कि उन्होंने शहर में आए गांवों के जोहड़ों, नालों वगैरह पर हाईराइजेज बनाकर जलमग्न होने के लिए गुड़गांव को आत्मनिर्भर बना दिया है। दिल्ली भी ऐसी आत्मनिर्भरता पाने की दिशा में काफी प्रगति कर चुकी है, पर पूरी तरह जलमग्न होने के लिए उसे अभी भी जमना की जरूरत है।अगर बरसात का मौसम न आए तो दिल्ली वाले जमना को उतनी ही हिकारत से देखते हैं, जैसे स्टेशनों पर रहने वाले आवारा बच्चों को या गरीब-भिखमंगों को देखा जाता है। वैसे तो जमना मैया है, अभी भी दिल्ली वालों को जल देती है। लेकिन जैसा मांओं का हाल, वैसा ही जमना का हाल-छी: कितनी गंदी है या फिर नदी क्या है-नाला है साहब। जमना ने अपना यह हाल खुद नहीं किया, वह इसके लिए जिम्मेदार नहीं है। लेकिन जो जिम्मेदार हैं, वो अपनी जिम्मेदारी कब लेते हैं। आपने किसी नेता को, किसी अफसर को जिम्मेदारी लेते देखा है?तो जी, कल तक जो जमना मरियल-सी पानी की धार थी।

चंद्रयान -3 का प्रक्षेपण कर इसरो ने रचा इतिहास, हम चांद के बेहद करीब ..!

उत्तर प्रदेश लखनऊ की ओजस्वी इंजीनियर डाक्टर रितु करिधाल श्रीवास्तव जो इसरो में राकेटवुमन के नाम से विख्यात हो चुकी थी ने अपनी टीम के साथ चन्द्रयान 3 का श्री हरिकोटा से प्रक्षेपण कर, भारत को गर्व का पल दे दिया है और भारत ने इतिहास रच दिया है इसरो की उपनिदेशक डॉ ऋतु जिन्होंने अपने कैरियर का आगाज इसरो में इंजीनियर के रूप में किया था आज चंद्रयान ङ्क3 के कुशल प्रक्षेपण में अग्रणी भूमिका निभाकर नारी शक्ति मिशन का सिरमौर बन चुकी है।हम सभी यूपीवासियों को उन पर गर्व है। डां रितु को हार्दिक शुभकामनाएं। चंद्रयान-3 कई मायनों में खास है। यह 7 पेलोड के साथ लॉन्च किया गया है। इनमें से 4 पेलोड लैंडर विक्रम के साथ जुड़े हैं। 2 रोवर प्रज्ञान के साथ और 1 प्रॉपल्शन मॉड्यूल से जुड़ा है। लैंडर और रोवर से जुड़े 6 पेलोड चांद की सतह पर जाकर अध्ययन करेंगे। भारत का चंद्रयान अपनी पिछली गलतियों से सीखकर आगे की राह पर निकल पड़ा है। कई बदलाव और सुधार के बाद इसकी सफलता को लेकर वैज्ञानिक इस बार अधिक आश्वस्त हैं।इस उड़ान पर पूरी दुनिया की नजर है। कामयाबी की एक नई इबारत लिखने की ओर यह पहला कदम है, असली परीक्षा शेष है। चंद्रमा पर कठिन हालात से अभी गुजरना बाकी है। चांद की सतह पर जाकर अध्ययन करेंगे ।चंद्रयान-3 कई मायनों में खास है।यह 7 पेलोड के साथ लॉन्च किया गया है। इनमें से 4 पेलोड लैंडर विक्रम के साथ जुड़े हैं। 2 रोवर प्रज्ञान के साथ और 1 प्रॉपल्शन मॉड्यूल से जुड़ा है। लैंडर और रोवर से जुड़े 6 पेलोड चांद की सतह पर जाकर अध्ययन करेंगे। वहीं, प्रॉपल्शन मॉड्यूल के साथ भेजा गया पेलोड चंद्रमा की कक्षा से पृथ्वी का अध्ययन करेगा। सब कुछ योजना के मुताबिक हुआ, तो 3.84 लाख किमी की यात्रा के बाद 23 अगस्त को शाम करीब पौने छह बजे चंद्रयान-3 का विक्रम लैंडर चांद की सतह को छू लेगा। 615 करोड़ रुपये की लागत के इस अभियान की कामयाबी के साथ ही भारत चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग मे सक्षम चौथा देश बन जाएगा।वर्तमान में अमेरिका,

पंकज कुमार मिश्रा (जौनपुर)

चंद्रयान धीरे-धीरे चंद्रमा की कक्षा में नीचे उतरेगा। प्रॉपल्शन मॉड्यूल और लैंडर विक्रम एक-दूसरे से अलग हो जाएंगे।लैंडर की गति को कम करने के लिए डी-बूस्ट किया जाएगा। लैंडर की सभी प्रणालियों की जांच होगी। लैंडर को चंद्रमा की 100 किमी की कक्षा में लाया जाएगा। रोवर और लैंडर से जुड़े पेलोड के सामान्य संचालन के साथ यह पूरा होगा। प्रॉपल्शन मॉड्यूल को वापस चंद्रमा के 100 किमी की कक्षा में लाया जाएगा।

रूस और चीन यह उपलब्धि हासिल कर चुके हैं।चंद्रयान-2 के विपरीत इस बार लैंडिंग की निगरानी इसरो खुद कर रहा है। चंद्रयान-2 के विक्रम लैंडर की लैंडिंग को नासा के मैड्रिड स्टेशन से ट्रैक किया गया था। लेकिन, इस बार लॉन्चिंग से लेकर लैंडिंग तक की निगरानी बंगलूरू स्थित इसरो टेलीमेट्री ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क स्टेशन (आईसट्रैक) के जरिये की जा रही है। हालांकि, इस बीच रॉकेट और चंद्रयान के अलग होने के चरण को ब्रुनेई व बियाक से ट्रैक किया गया। भारत का सबसे शक्तिशाली रॉकेट है एलवीएम-3 43.5 मीटर लंबे और करीब 640 टन वजनी एलवीएम-3 रॉकेट को इसरो का बाहुबली (फैटबॉय) कहा जाता है। चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में छोड़ने के साथ ही यह सभी अभियानों में सफल साबित हुआ है।यह भारत का सबसे ताकतवर रॉकेट है। यह करीब 10 टन के पेलोड पृथ्वी की निचली कक्षाओं (200 किमी की ऊंचाई) तक ले जा सकता है और करीब 4 टन के पेलोड उच्च कक्षा या जियो ट्रांसफर ऑर्बिट तक ले जाने में सक्षम है। यह थ्री स्टेज रॉकेट है। इसमें दो ठोस ईंधन बूस्टर और एक तरल ईंधन बूस्टर लगा है। खूबियों के सात चांदज्पेलोड रेडियो एनाटॉमी ऑफ मून बाउंड हायपरसेंसटिव आयनोस्फियर एंड एटामोस्फियर (रंभा) = चांद की सतह के निकट प्लाज्मा के घनत्व व समय के साथ परिवर्तन को मापेगा। चांद की सतह थर्मो फिजिकल एक्सपेरिमेंट (चास्टे) के एनालिसिस के अनुसार चंद्रमा के ध्रुवीय क्षेत्रों के निकट वहां की सतह के तापीय गुणों का अध्ययन करेगा।इंस्ट्रूमेंट फॉर लूनर सीस्मिक एक्टिविटी (आईएलएसए) = चंद्रमा के क्रस्ट व मैंटल की संरचना को चित्रित करेगा।लेजर रिट्रोरिफ्लेक्टर ऐरे (एलआरए) तकनीकी बेहद मददगार साबित हो रही जो चंद्रमा की गतिकीय प्रणाली समझाएगा। लेजर इंड्यूश्ड ब्रेकडाउन स्पेक्ट्रोस्कोप (एलआईबीएस) = चांद की सतह पर मौजूद तत्वों का गुणात्मक और मात्रात्मक विश्लेषण किया जाएगा। अल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर (एपीएक्सएस) = लैंडिंग साइट के आसपास चंद्रमा की धूल और चट्टानों की मौलिक संरचना का पता लगाएगा। स्पेक्ट्रो पोलरिमीट्री ऑफ हैबिटेबल प्लेनेट अर्थ (शेप) =चंद्रमा की कक्षा में रहकर परावर्तित प्रकाश से पृथ्वी जैसे रहने योग्य ग्रहों की खोज में मदद करेगा। कामयाबी में अहम साबित होंगे 10 चरण जो कि उड़ान के ठीक 16=15 मिनट बाद रॉकेट एमएलवी-3 179 किमी की ऊंचाई पर चंद्रयान-3 अंतरिक्ष में अलग हो गया। चंद्रयान पृथ्वी की परिक्रमा शुरू कर चुका है। इस दौरान यह 170 किमी की पेरिजी (पृथ्वी की कक्षा में निकटतम स्थिति) और 36,500 किमी की अपोजी (पृथ्वी की कक्षा में दूरस्थ स्थिति) के साथ अंडाकार चक्र में 5-5 बार पृथ्वी की परिक्रमा करेगा।गुरुत्वाकर्षण की मदद से चंद्रमा की कक्षा तक पहुंचने के लिए गति हासिल करने को पृथ्वी के चारों ओर 5-6 चक्कर लगाएगा। चंद्र स्थानांतरण (लूनर ट्रांसफर) शुरू होगा। इस चरण में चंद्रयान-3 पृथ्वी भूस्थैतिक कक्षा से बाहर निकलकर चंद्रमा की ओर बढ़ेगा। इसरो के वैज्ञानिक चंद्रयान-3 को चंद्रमा की कक्षा में स्थापित करेंगे।

चर्चाओं के बीच - अभिनेत्री रजनिका गांगुली

मुंबई। सर्वमंगला इंटरनेशनल और के.बी. इंटरप्राइजेज के संयुक्त तत्वाधान में सरकारी व्यवस्था और फर्ज के बीच मार्मिक जंग को दर्शाती फिल्म 'चट्टान' 22 सितम्बर को सभी सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म के निर्देशक सुदीप डी. मुखर्जी हैं। इस फिल्म के मुख्य कलाकार जीत उपेंद्र, रजनिका गांगुली, तेज सप्रू ब्रिज गोपाल और शिवा आदि है। 'तहकीकात', 'आशीर्वाद', 'साँस', 'अधिकार', 'सिसकी', 'बंधन', 'युग', 'आहट', 'शांति', 'कॉफी हाउस' और 'मोहनदास एल.एल,बी.' जैसी कई चर्चित सीरियल्स में अपने अभिनय का जलवा बिखेर चुकी अभिनेत्री रजनिका गांगुली ने ही इस फिल्म का निर्माण किया है। निर्मला कॉलेज (रांची, झारखंड) की छात्रा रह चुकी अभिनेत्री रजनिका गांगुली को डांस और एक्टिंग के प्रति बचपन से ही गहरी दिलचस्पी थी।बकौल अभिनेत्री और निर्मात्री रजनिका गांगुली 'चट्टान' मेरे लिए महज फिल्म नहीं जीवन की आधारशिला है। इसने हममें आत्मविश्वाश और उड़ान दी है। हमारी कंपनी नवोदित प्रतिभाओं को चांस देते हुए हर भाषा में फिल्में बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। 'चट्टान' के रिलीज के बाद 'जिंघांसा' सेट पर जाएगी उसके बाद 'नीलकंठ' 'अंतराल', 'अग्निशिखा', 'धर्म रक्षक', 'अग्नियुद्ध', 'डिटेक्टिव रजनी' आदि फिल्में पाइप लाइन में है। 'चट्टान 2' 2024 में रिलीज होगी।

प्रस्तुति:काली दास पाण्डेय

अब जीएसटी चोरी की तो ईडी का डंडा चलेगा : विपक्ष ने टैक्स आतंकवाद की संज्ञा दी

गोंदिया। वैश्विक स्तरपर किसी भी देश में उसकी प्रगति का प्रमुख आधार उसका टैक्स स्ट्रक्चर होता है जिसके आधार पर टैक्स कलेक्शन होता है, जिससे उस देश का विकास होता है, क्योंकि इस विकास का मुख्य स्त्रोत टेक्स होता है इसलिए हर देश अपने-अपने स्तर पर टैक्स का दायराबढ़ाने के तरीकों पर विचार कर उसे लागू करने के प्रयास करते रहते हैं ताकि टैक्स पर किसी को कोई दिक्कत भी ना हो और स्वेच्छा से टैक्स भुगतान करने के लिए प्रोत्साहित हो इसलिए इसी राह पर भारत भी बड़ी संजीदगी से चल रहा है जिसका परिणाम हर महीने जीएसटी कलेक्शन में पुराने रिकॉर्ड को तोड़ते हुए नए नए आयाम बनते जा रहे हैं। हालांकि टैक्स कलेक्शन का दायरा बढ़ाने के साथ उसकी चोरी और लीकेजेस को रोकने के लिए भी कठोर कदम उठाने की जरूरत आन पड़ी है, क्योंकि कहावत है हर कानून की तोड़ निकल ही आती है। इसलिए इसे गंभीरता से लेते हुए वित्त मंत्रालय ने 2 दिन पूर्व एक अधिसूचना जारी कर जीएसटी में ईडी याने धन शोधन प्रधान अधिनियम (पीएमएलए) 2022 में संशोधन कर उसका दायरा बढ़ाकर जीएसटी की प्रौद्योगिकी इकाई संभालने वाली जीएसटीएन को उन इकाइयों में शामिल कर दिया गया है जिसे विपक्ष ने कर आतंकवाद की संज्ञा दी है। चूंकि दिनांक 11 जुलाई 2023 को देर शाम जीएसटी काउंसिल की 50वीं बैठक संपन्न हुई जिसमें ऑनलाइन गेमिंग कैसीनो हॉर्स रेसिंग सट्टा पर 28 प्रतिशत जीएसटी और कैंसर दवाओं पर आईजीएसटी फ्री पर मोहर लगाई गई और विपक्ष का जीएसटी में ईडी मामले पर चर्चा के लिए हंगामा भी हुआ इसलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, सावधान ! अब जीएसटी की चोरी की तो ईडी का डंडा पड़ेगा, विपक्ष ने टैक्स आतंकवाद की संज्ञा दी।साथियों बात अगर हम जीएसटी काउंसिल की दिनांक 11 जुलाई 2023 को देर रात संपन्न हुई 50 वीं बैठक की करें तो, माल व सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने ऑनलाइन गेमिंग पर 28 प्रतिशत कर लगाने पर सहमति जताई है। सिनेमाघर के अंदर खाने-पीने के सामान भी अब सस्ते हो जाएंगे। जीएसटी परिषद की 50वीं बैठक के बाद केंद्रीय वित्त मंत्री ने बताया कि हमने निजी संगठनों द्वारा प्रदान की जाने वाली उपग्रह प्रक्षेपण सेवाओं के लिए जीएसटी पर छूट की पेशकश की है। इसके अलावा ऑनलाइन गेमिंग, हॉर्स रेसिंग और कैसिनो पर 28 प्रतिशत (सभी तीन गतिविधियों) कर लगेगा और यह कर पूर्ण अंकित मूल्य पर कर लगाया जाएगा। हालांकि फिक्की गेमिंग कमिटी के प्रतिनिधित्व वाली शीर्ष ऑनलाइन गेमिंग फर्मों के एक समूह ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) से इस क्षेत्र के लिए जीएसटी दर को बढ़ाकर 28 प्रतिशत नहीं करने का आग्रह किया था। उनकी ओर से कहा गया, ऑनलाइन गेमिंग उद्योग के अस्तित्व के लिए यह बेहद हानिकारक होगा क्योंकि कोई भी व्यावसायिक संचालन इस तरह के उच्च कर के साथ जारी नहीं रह सकता है।केंद्रीय वित्तमंत्री की अध्यक्षता में कैंसर दवाओं को जीएसटी से छूट मिली है। अगर कोई निजीउपयोग के लिए भी दुर्लभ बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कैंसर की दवा डिनुटुक्सिमैब विदेशों से मंगाता है तो उस पर भी आईजीएसटी नहीं लगेगा। इसपर अभी तक 12 फीसदी कर लगता है। इसके एक डोज की कीमत 63 लाख रुपये तक है। इसी तरह फूड फॉर स्पेशल मेडिकल पर्पज (एफएसएमपी) के आयात पर जीएसटी से छूट को भी मंजूरी दे दी है। फिटमेंट कमेटी का कहना था कि जिस दवा की कीमत 26 लाख हो और जिसके लिए क्राउड फंडिंग से पैसा जुटाते हों, उसे जीएसटी के दायरे से बाहर किया जाना चाहिए। मंत्रियों के समूह ने इस पर सहमति जताई थी।साथियों बातें कर हम वित्त मंत्रालय की एक पीएमएलए एक्ट 2022 के संशोधन की अधिसूचना की करें तो, वित्त मंत्रालय ने एक अधिसूचना के माध्यम से धन शोधन रोधक अधिनियम (पीएमएलए), 2022 में संशोधन किया है।इसके तहत जीएसटी की प्रौद्योगिकी इकाई संभालने वाली जीएसटीएन को उन इकाइयों में शामिल कर लिया गया है, जिनके साथ ईडी सूचना साझा कर सकता है। बैठक में दिल्ली और पंजाब सरकारों ने इन अधिसूचना पर चिंता जताते हुए इसपर चर्चा की मांग की। दिल्ली की वित्त मंत्री ने यहां संवाददाताओं से कहा, कई वित्त मंत्रियों ने यह मुद्दा उठाया। दिल्ली, पंजाब, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु,हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और राजस्थान ने चिंता जताते हुए कहा है कि इसपर परिषद में चर्चा होनी चाहिए। एक सज्जन कहा कि कई राज्यों ने चर्चा की मांग की है।अधिसूचना ईडी को जीएसटी का भुगतान नहीं करने पर किसी भी व्यवसायी को गिरफ्तार करने का अधिकार देती है। इस तरह के फैसले से देश में कर आतंकवाद बढ़ेगा और यह छोटे कारोबारियों और आम लोगों के लिए खतरनाक है। एक मंत्री ने कहा कि जीएसटीएन को पीएमएलए के तहत लाया गया है। इसका मतलब यह होगा कि चाहे आप छोटे या बड़े व्यवसाय में हों, यदि आप जीएसटी के तहत पंजीकृत हैं, तो आप पर रिटर्न दाखिल करने में देरी जैसे अपराधों के लिए ईडी मुकदमा चला सकता है। राजस्व सचिव ने जीएसटी परिषद की बैठक के बाद कहा कि प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) का जीएसटी कानून से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि जीएसटीएन की जानकारी को पीएमएलए के तहत लाने की अधिसूचना हमारी एजेंसियों को कर चोरी पर अधिक जानकारी के साथ सशक्त बनाएगी।

किशन सनमुख़दास भावनानी

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

-सम्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें -:

मो.: 8423454502, 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com

जिलाधिकारी ने उर्सला चिकित्सालय के बर्न वार्ड का किया आकस्मिक निरीक्षण, दिए निर्देश

बीपीएस न्यूज

कानपुर । जिलाधिकारी विशाख जी0 द्वारा उर्सला चिकित्सालय के बर्न वार्ड का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बर्न वार्ड में उपचारित किए जा रहे मरीजों से उनकी सेहत, डॉक्टरों द्वारा उपचार हेतु किए जा रहे राउंड एवं उपचार की स्थिति के साथ-साथ अ न्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान उर्सला चिकित्सालय के बर्न वार्ड में भर्ती मरीजों एवं तीमारदारों से उपचार, डॉक्टर के द्वारा राउंड लिए जाने एवं अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में वार्ता की गई। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी एवं चिकित्सालय के बर्न वार्ड/इमरजेन्सी में उपस्थित चिकित्साधिकारियों को निम्नलिखित निर्देश दिए गए। चिकित्सालय में बर्न वार्ड में बिजली आपूर्ति बाधित होने पर एयरकंडीशन बंद होने की समस्या के समुचित निदान के लिए उपस्थित निदेशक, उर्सला को निर्देशित किया गया कि बर्न वार्ड के लिए डेडीकेटेड जेनेरेटर सेट सी0एस0आर0 फंड से उपलब्ध कराए जाने हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत करें। ताकि बर्न वार्ड के लिए एयरकंडीशनर सी0एस0आर0 फंड से उपलब्ध कराया जा सके। उर्सला चिकित्सालय में उपचार हेतु आने वाले मरीजों का बेहतर इलाज सुनिश्चित किए जाने हेतु समस्त डॉक्टर अपने निर्धारित समय में चिकित्सालय में उपस्थित रहकर गुणवत्तापूर्ण इलाज सुनिश्चित करें। चिकित्सालय में भर्ती मरीजों के तीमारदारों के बैठने हेतु पर्याप्त व्यवस्था कराने के साथ-साथ स्वच्छ पेयजल एवं चिकित्सालय की सफाई व्यवस्था समुचित रूप से किए जाने के निर्देश उपस्थित चिकित्साधिकारी को दिए। मुख्य चिकित्साधिकारी उर्सला चिकित्सालय के साथ-साथ कांशीराम चिकित्सालय, डफरिन चिकित्सालय एवं के0पी0एम0 आदि अन्य चिकित्सालय भी पर्याप्त बेड, एयरकंडीशन एवं अन्य मूल भूत सुविधाओं की आवश्यकता के अनुरूप प्रस्ताव उपलब्ध कराया जाए, ताकि उनकी आपूर्ति कराकर चिकित्सालय की अवसंरचना का विकास किया जा सके एवं मरीजों के उपचार हेतु बेहतर सुविधाएं मिल सकें। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी आलोक रंजन एवं अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

बच्चों के जन्म के बीच अंतर माँ व शिशु की सेहत के जरूरी

परिवार नियोजन की अलख जगाने के लिए सारथी वाहन रवाना

बीपीएस न्यूज

कानपुर । भारत में जनसंख्या विस्फोट की समस्या एक लंबे समय से चिंता का विषय बनी हुई है, ऐसे में स्वास्थ्य एवं आर्थिक दोनों पक्षों को देखते हुए जनसंख्या का नियोजित होना बहुत आवश्यक हो गया है। साथ ही यह भी बहुत जरूरी है की बच्चों के जन्म में निर्धारित अंतर रखा जाये, जिससे महिला एवं बच्चों का स्वास्थ्य प्रभावित न हो। परिवार नियोजन दो बच्चों में अंतर बनाए रखने के लिए एवं बढ़ती हुई जनसंख्या को नियोजित करने के लिए बहुत उपयोगी है। यह कहना है अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण डॉ अंजू दुबे का। डा. दुबे मंगलवार को मां कांशीराम जिला संयुक्त चिकित्सालय एवं ट्रामा सेंटर में विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई) पर आयोजित गोष्ठी को सम्बोधित कर रहीं थी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ आलोक रंजन ने सीएमओ कार्यालय परिसर से सारथी वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र के दस ब्लाक के लिए दो-दो सारथी वाहन संचालित किए जाएंगे। नगरीय क्षेत्र के लिए दो सारथी वाहन संचालित किए जाएंगे। इस तरह पूरे जनपद में 22 सारथी वाहन परिवार नियोजन के स्थायी साधन (महिला व पुरुष नसबंदी) और अस्थाई साधन (अंतरा, छाया, पीपीआईयूसीडी, आईयूसीडी, कंडोम आदि गर्भनिरोधक साधन) के बारे में समुदाय को जागरूक करेंगे। अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी व परिवार कल्याण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. एसके सिंह ने कहा कि विश्व जनसंख्या दिवस को मनाए जाने का उद्देश्य जनसाधारण को सीमित परिवार के लाभों के बारे में जागरूक करने के साथ ही परिवार नियोजन को गति प्रदान करना है। उन्होंने सभी आशा कार्यकर्ताओं, एएनएम और सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) से कहा कि समुदाय को माला एन, छाया, कंडोम, अंतरा इंजेक्शन, पुरुष नसबंदी, महिला नसबंदी, पीपीआईयूसीडी, आईयूसीडी आदि के बारे में जानकारी दी जाये। राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन (एनयूएचएम) के नोडल अधिकारी एवं एसीएमओ डॉ आरएन सिंह ने बताया कि शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी महिला समिति की ओर से सास-बेटा-बहू सम्मेलन आयोजित कर परिवार नियोजन के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इस दौरान अपर निदेशक ने परिवार नियोजन स्टाल्स का भी जायज़ा लिया और परिवार नियोजन परामर्शदाता किस तरह परिवार नियोजन के लिए प्रेरित करते हैं यह भी जाना। इस अवसर पर राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन (एनयूएचएम) के नोडल अधिकारी एवं एसीएमओ डॉ आरएन सिंह, वीबीडी नोडल डॉ आरपी मिश्रा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ नवीन चंद्रा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक (डीपीएम) व डीसीपीएम, एनयूएचएम के जिला समन्वयक सहित सहयोगी संस्थाओं-यूपीटीएसयू और पीएसआई इंडिया के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

आईजीआरएस में लापरवाही पर नगर आयुक्त समेत 106 अधिकारियों को नोटिस

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएम योगी महत्वकांक्षी योजना आईजीआरएस की शिकायतों का मौके पर न निरीक्षण और न ही शिकायतकर्ता से कोई जांच, फर्जी निस्तारण ऑफिस में बैठे-बैठे कर दिया जाता रहा। शिकायतों के निस्तारण में इस प्रकार की लापरवाही को देखते हुए डीएम विशाख जी ने नगर आयुक्त समेत 106 अधिकारियों को नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब देने को कहा है। अधिकारी स्तर पर 10 शिकायतें ऑनलाइन की गईं थीं, इन सभी शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया। लेकिन जब शिकायतों के निस्तारण का फीडबैक शिकायतकर्ता से लिया गया तो उन्होंने निस्तारण को लेकर नाराजगी व्यक्त की। इसी प्रकार ग्राम्य विकास विभाग, जिला पंचायती सेल, पंचायती राज विभाग, नगर स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम, सब रजिस्ट्रार स्टांप समेत 32 अधिकारियों की रिपोर्ट शिकायतकर्ताओं ने अनभिज्ञता व्यक्त करते हुए असंतोष जताया।

डीएम द्वारा नोटिस जारी करने के बाद से विभागों में हड़कंप मचा हुआ है। नोटिस जारी होने के बाद विभागीय अधिकारी शिकायतकर्ताओं से संपर्क कर फीडबैक सकारात्मक करने में जुटे हैं। डीएम विशाख जी ने बताया कि आईजीआरएस में शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण किया जाना अनिवार्य है ।किसी भी लापरवाह अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा ।नगर आयुक्त द्वारा भी आईजीआरएस में रुचि न लैने के चलते डीएम ने उन्हें भी नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

पत्थरबाजी, फायरिंग करने वाले अभियुक्तों को चकेरी पुलिस ने धर दबोचा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मु0अ0सं0 धारा भादवि0 व सीएलए एक्ट व मु0अ0स0 धारा आर्म्स एक्ट से सम्बन्धित अभियुक्त की तलाश / गिरफ्तारी हेतु 30नि0 दिवेश चन्द्र मिश्रा मय लमराह नि0 राजेश यादव व विनोद कुमार व सुबोध कुमार व कां( ) हिमाशुं गौतम के मु0अ0सं0- धारा व से सम्बन्धित अभियुक्तगणों की सम्भावित स्थानों पर दविश व गिरफ्तारी हेतु क्षेत्र में मामूर था कि जब हम लोग रामादेवी चौराहे पर बाहन चैकिंग व सब्जी ठेला वालो को हटा रहे थे कि उसी समय मुखविर खाश आकर बताया कि साहब जो को सफीपुर में पत्थर वाजी व फायरिंग किये उसमें से तीन व्यक्ति लखनऊ की तरफ जाने वाले सर्विस लेन के किनारे ओवर ब्रिज के नीचे बैठे है जो कही भागने की फिराक में है यदि जल्दी किया जाय तो तीन व्यक्ति पकड़े जा सकते है इस सूचना पर विश्वास करके एक-दूसरे की जामा तलाशी ले देकर इत्मीनान करके कि किसी के पास नाजायज वस्तु नही है। मैं उ0नि0 मय हमराह फोर्स व मुखबिर को साथ लेकर अपने 2 वाहनो से मुखबिर द्वारा बताये गये स्थान की तरफ चल दिये मुखबिर खास द्वारा बताये गये स्थान पर पहुँचे मुखबिर खास ने हाथ से इशारे से बताया कि साहब जो वो तीनो लोग खड़े है ये वही व्यक्ति है। मुखबिर पीछे मुडकर चला गया। हम पुलिस वालो ने एक बारगी दविश देकर आवश्यक बल प्रयोग करते हुए लखनऊ जाने वाले सर्विस लेन से ओवरब्रिज पर चढने वाले रैम्प के 50 कदम पहले पकड़ लिया और पकड़े गये व्यक्तियों से नाम पता पूँछते हुए जामा तलाशी ली गई तो पहले 7 व्यक्ति ने अपना नाम अन्ना यादव उर्फ छोटू पुत्र सुशील कुमार निवासी सफीपुर ढ कानपुर नगर उम्र 20 वर्ष 7 बताया जामा तलाशी ली गयी तो पहने हुए जीन्स पैन्ट की दाहिनी फेट में खुसा हुआ एक अदद तमंचा देशी 315 बोर 7 नाजायज जिसकी कुल लम्बाई करीब 10 अंगुल, बाडी लोहा, नाल करीब 08 अंगुल बट लकड़ी का चाप लगा हुआ दो स्क्रू से कसा है। जिसकी लम्बाई 02 अंगुल नाल खोलने व बन्द करने के लिए ट्रेगर लगा हुआ है जो लोहे का है। 7 और नाल के ऊपर मक्खी का चिन्ह बना हुआ है बाडी एक स्क्रू से कसा हुआ है। बरामद तमंचे को खोलकर सूंघा व सुघांया गया तो बारूद जैसी गंध आ रही थी पैन्ट की पहनी बाँयी जेब से एक अदद जिन्दा कारतूस जिसकी 7 पैन्दी पर अग्रेजी में लिखा है तथा दो अदद खोखा कारतूस के पेदी पर लिखा है तथा दूसरे व्यक्ति का नाम पता पूँछा गया तो अपना नाम दीपू उर्फ छोटे पुत्र शिवप्रसाद उम्र करीब 28 वर्ष निवासी सफीपुर 7 थाना चकेरी कानपुर नगर बताया जामा तलाशी ली गयी तो पहने कपडे के अलावा अन्य कोई सामान बरामद नही हुआ तीसरे से नाम पता पूँछते हुए जामा तलाशी ली गयी तो अपना नाम रामऔतार निषाद पुत्र चन्दीलाल 7 उम्र करीब 49 वर्ष निवासी 4ष्ठ सफीपुर थाना चकेरी कानपुर नगर बताया पहने हुए कपडे के अलावा कोई शय बरामद नहीं हुई अन्ना से बरामद तमंचा व कारतूस रखने का लाइसेन्स मांगा गया तो दिखाने से कासिर रहा गलती की माँफी मांगने लगा कड़ाई से पूछने पर बताया कि साहब 8 जुलाई को रात्रि को मेरे 7 मोहल्ले में रहने वाले रमेश तिवारी के साथ पुरानी रंजिश को लेकर लडाई झगडा हो रहा था तभी हम लोग दहशत फैलाने के लिए झुण्ड बना करके फायरिंग किया गया था यह वहीं तमंचा और कारतूस है जिससे हमने फायर किया था।

नारियल और सब्जी मसाले की अब यूपी में होगी खेती

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए के कुलपति ने कहा रासायनिक खेती की जगह जैविक खेती पर दिया जाएगा जोर

उत्तर प्रदेश में पौष्टिक अनाजों के उत्पादन को बढ़ाना है और किसानों को इसके लिए जागरूक करना ही पहली प्राथमिकता है। यह बात चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आनंद कुमार सिंह ने बुधवार को पत्रकारों से वार्ता के दौरान कही। उन्होंने कहा कि पिछले कई वर्षों सेलगातार अनाज का उत्पादन बढ़ रहा है और बिक्री में भी बढ़ोतरी हुई है। अब उत्तर प्रदेश में नारियल की खेती होगी। इसके अलावा सब्जी मसालों की भी खेती की जाएगी। हमारा प्रयास है कि जो मसाले अभी बाहर से खरीदे जाते हैं। उनका भी यहां पर उत्पादन हो। इसके लिए हम अपने किसान भाइयों के साथ मिलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि कोविड में समझ में आया मसालों का महत्व

कुरौना काल के पहले की बात करें तो 24000 करोड़ का निर्यात मसालों का किया गया है लेकिन कोरोना काल के बाद 32000 करोड़ों का निर्यात अब मसालों का

हो रहा है । उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि लौंग, काली मिर्च, इलाइची, जावित्री जैसे मसाले अब यूपी की जमीन में भी हो इसके लिए हम लोग पूरा खाका तैयार कर रहे हैं ।जल्द ही किसानों के साथ बैठक कर इस खेती को आगे बढ़ाने पर काम किया जाएगा। यह खेती अपने यूपी के अंदर भी हो सकती है और इसका अच्छा उत्पादन भी होगा ।इसके अलावा उन्होंने कहा कि पूरे भारतवर्ष में नारियल का उत्पादन 24 मिलियन टन था। वर्तमान की बात करें तो अब 24 बिलियन टन पर पहुंच गया है ।21 लाख हेक्टेयर में इसकी खेती की जा रही है। अब हम लोग गंगा किनारे खेती करेंगे। आपको बता दें कि गंगा के किनारे जो नारियल होंगे उसमें मिठास बहुत अधिक होगी। यह नारियल लोगों को बहुत पसंद आएगा। 324 मिलियन टन हो रहा अनाजकुलपति आनंद कुमार सिंह ने बताया कि पहले के समय 50 मिलियन टन अनाज होता था। यह आंकड़ा आज से लगभग 50 साल पहले का है लेकिन अब हम लोग आजादी के अमृत महोत्सव को मना रहे हैं। पिछले वर्ष 324 मिलियन टन अनाज हुआ है। दिन पर दिन हमारी उत्पादन शक्ति बढ़ रही है। जब कोरोना काल था तब भी कृषि क्षेत्र में काफी अच्छा उत्पादन किया है, जिस समय सारी चीजें पटरी से उतर गई थी। उस समय भी कृषि क्षेत्र काफी मजबूत साबित हुआ है।

प्रोफेसर सिंह ने कहा कि प्रदेश के 22 जिलों में फसलों का विविधीकरण बढ़ाने पर काम किया जाएगा। किसानों की आय कैसे बढ़े इस योजना पर काम किया जा रहा है। अगर उत्पादन बढ़ता है तो किसानों की आय भी बढ़ेगी। हम लोग यह देख रहे हैं कि कौन सी खेती कराई जाए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोटे अनाजों की खेती को लेकर काफी जागरूक है। हमारा प्रयास है कि उनकी हर योजना को किसानों तक पहुंचाया जाए। इसके बाद इसके उत्पादन को बढ़ाने पर काम किया जाए।

सर्विलांस से मिले चोरी गए 51 मोबाइल, पुलिस ने मालिकों को सौंपे

कानपुर। 25 लाख की कीमत के खोए हुए मोबाइल बरामद हुए। बरामद किए गए मोबाइलों को बुधवार को डीसीपी पूर्वी के द्वारा मोबाइल स्वामियों को वापस किया गया। सर्विलांस टीम के द्वारा मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। मोबाइल फोन वापस पाकर मोबाइल स्वामियों के चेहरे खुशी से खिल गए ।रेल बाजार स्थित डीसीपी पूर्वी कार्यालय में बुधवार को खोए हुए मोबाइल वापस लेने वालों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने ऐसे मोबाइलों को सर्विलांस की मदद से बरामद किया। जिनके खो जाने संबंधी प्रार्थना पत्र मिले हुए थे। डीसीपी पूर्वी शिवाजी शुक्ला ने बताया की सर्विलांस टीम ने खोए मोबाइल के नंबरों और मोबाइल के आईएमआई नंबर ट्रेस करके मोबाइल को बरामद किया। कुल 51 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। इन मोबाइलों की कीमत लगभग 25 लाख रुपये है। जिन लोगों के मोबाइल खोने संबंधित प्रार्थना पत्र मिले थे। जिनके मोबाइल बरामद कर लिए गए हैं, उन्हें उनके मोबाइल वापस कर दिए गए। वहीं। पुलिस आयुक्त व पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन कानपुर नगर व अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन कानपुर नगर एवं सहायक पुलिस आयुक्त के निर्देशन में व प्रभारी निरीक्षक कलक्टरगंज के कुशल परिवेक्षण में थाना कलक्टरगंज की पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त मौ0 फैन पुत्र फरदीन निवासी मीरपुर कमेला 35 सैय्यद बाला की मजार के पास थाना रेलबाजार कानपुर नगर उम्र लगभग 22 वर्ष को दौराने चैकिंग सीपीसी मालगोदाम गेट नं0 4 के सामने रेलवे रोड नयागंज थाना कलक्टरगंज से गिरफ्तार किया गया।

घाटमपुर हत्या मामले में एक और हत्यारोपी गिरफ़्तार

प्रधान पति ने साथियों के साथ युवक की पीट- पीट कर की थी हत्या

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर । अकबरपुर झवैया में बीते दिनों ग्राम प्रधान पति ने साथियों संग मिलकर गांव के रहने वाले एक युवक को पीट- पीटकर हत्या कर दी थी। युवक के मां की तहरीर पर पुलिस ने प्रधान पति समेत उनके पांच साथियों पर हत्या का मुकदमा दर्जकर जांच शुरु की थी। बीते दिनों पुलिस ने प्रधान पति व उसके एक साथी को गिरफ्तार कर जेल भेजा था, पुलिस के हाथ एक ओर हत्यारोपी चढ़ गया, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा है। वही फरार दो अन्य अभियुक्तों की पुलिस तलाश कर रही है।

घाटमपुर थाना क्षेत्र के अकबरपुर झवैया गांव निवासी 33 वर्षीय राहुल यादव पुत्र जगनायक खेती बाड़ी करके अपने परिवार का भरण पोषण करते थे। मां माया देवी ने बीते दिनों घाटमपुर थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर देकर बताया था, कि खलिहान की जमीन पर ग्राम प्रधान दिव्या देवी के पति यदुवेंद्र सिंह उर्फ बीरू के द्वारा तालाब खुदवाया जा रहा था। जिसका उनके बेटे राहुल ने विरोध किया था, जिसपर दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। देर रात राहुल पड़ोस में स्थित शिवराम साहू की दुकान में घरेलू सामान लेने गया था। आरोप है, कि प्रधान पति ने साथियों संग उसे पकड़कर कमरे मे खींच लिया जहां उन्होंने युवक को पीट- पीट कर हत्या कर दी थी, पुलिस ने मां की तहरीर पर प्रधानपति यदुवेन्द्र सिंह उर्फ़ वीरू समेत पांच साथियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस फरार तीन अभियुक्तों की तलाश कर रही थी, पुलिस को मुखबिर के जरिये मिली सूचना कि हत्यारोपी महेन्द्र सिंह पुत्र विशंभर सिंह भागने की फिराक में भदरस मोड़ पर खड़ा है।

कुएं में मिला अज्ञात शव, जांच पड़ताल में जुटी पुलिस

कानपुर देहात के थाना शिवली के अंतर्गत जुगराजपुर में खेत में स्थित एक कुंए में बुधवार को एक करीब 40 से 45 वर्षीय के एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पानी से बाहर निकलवाकर शिनाख्त का प्रयास शुरू किया लेकिन खबर लिखे जाने तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के मर्चरी हाउस भेज दिया है ।इसी दौरान कुंए से बदबू की अजीब सी महक आई तो पहले लोगों ने सोचा कि कोई जानवर मरा पड़ा है। फिर वही जब कुए में एक शव पर पड़ी था। कुंए में शव को देख कर ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी।

गोदभराई दिवस पर गर्भवतियों ने जाना, क्या है फाइलेरिया

10 अगस्त से स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर खिलाएंगे फाइलेरिया से बचाव की दवा

कानपुर। स्वास्थ्य विभाग के तत्वधान में बुधवार को जनपद के आंगनबाड़ी केंद्र बर्रा में आयोजित गोद भराई कार्यक्रम में फाइलेरिया नेटवर्क सदस्यों द्वारा फाइलेरिया से बचाव की दवा के फायदे गिनाये गये। इस दौरान कार्यक्रम में उपस्थित गर्भवतियों को फाइलेरिया बीमारी की गंभीरता के बारे में बताया गया साथ ही व 10 अगस्त से 28 अगस्त तक प्रस्तावित फाइलेरिया के सर्वजन दवा सेवन अभियान के तहत आईडीए राउंड चलाया जायेगा 7 इस दौरान आशा बहू द्वारा खिलाई जाने वाली फाइलेरिया बीमारी के बचाव की दवा के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गयी। फाइलेरिया नेटवर्क सदस्य बसंत लाल गुप्ता ने बताया की वह दोनों ही हाथीपांव से ग्रसित हैं । वह बताते हैं कि जब बीमारी की शुरूआत हुई तो हल्का बुखार हुआ । खुद से दवा लेकर खाए। कई जगहों पर इलाज भी करवाया लेकिन कोई लाभ नहीं हुआ । पहले पैर में सूजन हुआ और फिर हाथ में सूजन होने लगा । लम्बे समय से चलने और उठने बैठने में दिक्कत बनी रहती है । इसलिए वह नहीं चाहते की कोई और इस बीमारी का शिकार हो। फाइलेरिया नेटवर्क सदस्य राजमणि शुक्ल ने बताया की फाइलेरिया जिसे हाथीपांव के नाम से भी जानते हैं यह मच्छर के काटने से होने वाली एक लाइलाज बीमारी है । इसके संक्रमण से लिम्फोडिमा (हाथ, पैर, स्तन में सूजन) और हाइड्रोसील (अंडकोष में सूजन) हो जाता है । प्रबंधन के जरिये लिम्फोडिमा को नियंत्रित किया जा सकता है लेकिन पूरी तरह ठीक नहीं किया जा सकता है । इस बीमारी से बचाव के लिए पांच साल तक लगातार साल में एक बार फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन आवश्यक है । बीमारी से बचाव के लिए दवा के सेवन और इसका संक्रमण फैलाने वाले मच्छरों से बचाव आवश्यक है। उन्होंने बताया की अगले माह 10 अगस्त से सर्वजन दवा सेवन अभियान के दौरान एएनएम, आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को फाइलेरिया से बचाव की दवाएं अपने सामने ही खिलाएंगी। दवा खाने के बाद अगर जी मिचलाये या चक्कर आए तो घबराना नहीं है। यह लक्षण फाइलेरिया के परजीवी समाप्त होने के कारण सामने आते हैं जो कुछ देर में स्वत: ही ठीक हो जाते हैं। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्राची ने कहा की फाइलेरिया विश्व में दिव्यांगता का दूसरा सबसे बड़ा कारण है । उन्होंने सभी से अपील किया कि आईडीए अभियान को मजबूती प्रदान कर हम सब सुनिश्चित करें कि जिले में एक भी नया संक्रमण न फैलने पाए । इसलिये एक वर्ष से अधिक उम्र के सभी लोगों को फाइलेरिया से बचाव की दोनों दवाएं खिलानी हैं। ये दवा सिर्फ गर्भवती और अति गंभीर बीमार लोगों को नहीं खानी है 7 एक से दो वर्ष के बीच के बच्चों को सिर्फ पेट के कीड़े मारने की दवा दी जाएगी । किसी को भी खाली पेट दवा नहीं खानी है । कार्यक्रम में शामिल हुईं धात्री महिला कुसुम देवी ने बताया की उनके गांव में मरीज सहायता समूह के गठन और उसकी गतिविधियों से पहली बार फाइलेरिया के बारे में जन जन तक संदेश पहुंच रहा है । पिछले साल तक सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम चला तो वह खुद भी दवा नहीं खा सकीं थी । पर समूह के लोगों के संदेशों से प्रेरित होकर उन्होंने तय किया है कि न सिर्फ अपने परिवार को बल्कि गांव के प्रत्येक परिवार को दवा खिलवाने में मदद करेंगी । सहायिका इस दौरान आँगनवाड़ी सहायिका सहित अन्यलोग भी मौजूद रहे।

जीएसटी को ईडी के अधीन करने से व्यापारियों में भय का माहौल, दिया ज्ञापन

कानपुर। समाजवादी पार्टी व्यापार सभा कानपुर महानगर के तत्वाधान में भाजपा की केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी को ईडी के अधीन करने के विरोध में आज सपा व्यापार सभा के महानगर अध्यक्ष नंदलाल जायसवाल ने महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक संबोधित ज्ञापन जिला अधिकारी कार्यालय कचहरी कंपाउंड पहुंचकर जिलाधिकारी को सौंपा ।व्यापार सभा के महानगर अध्यक्ष नंदलाल जायसवाल ने बताया कि जीएसटी को ईडी के अधीन करने पर कानपुर शहर के व्यापारियों में भय का माहौल व्याप्त हो गया है आने वाले समय में व्यापारियों का पूरा व्यापार पूरी तरह चौपट हो जाएगा केंद्र की भाजपा सरकार व्यापारी विरोधी सरकार है भाजपा सरकार में व्यापारियों के ऊपर जीएसटी से पहले ही व्यापार चौपट हो गया है और ईडी के आधीन करने पर व्यापारियों का व्यापार पूरी तरह बंदी की कगार पर पहुंच जाएगा । ज्ञापन देने वालों में नंदलाल जायसवाल महिला सभा की अध्यक्ष सुलेखा यादव दीपक खोटे हरिओम पांडे सगीर अहमद आशीष जयसवाल मन्ना प्रशांत मोहन जायसवाल विक्की श्री नाथ तिवारी पूजा यादव अनुराग जयसवाल राजेंद्र जयसवाल आकाश यादव दिनेश शुक्ला आज ब्लॉक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

प्रभात रंजन ने ग्रहण किया उत्तर मध्य रेलवे का कार्यभार

कानपुर। भारतीय रेल यातायात सेवा के 1989 बैच के अधिकारी श्री प्रभात रंजन ने प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे का कार्यभार ग्रहण किया। इससे पूर्व वह मुख्यी प्रशा?सनिक अधिकारी/सिस्टुम, मध्य रेलवे के रूप में कार्यरत थे। प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे का पद श्री अजय शंकर झा के सेवानिवृत्त होने के कारण रिक्त हुआ था ।गया के मूल निवासी श्री प्रभात रंजन भारतीय रेलवे के गतिशील अधिकारियों में से एक हैं जिनको रेलवे में परिचालन, सुरक्षा और वाणिज्यिक विभागों और सामान्य प्रशासन में काम करने का व्यापक अनुभव है। इन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय से एम ए एवं एम फिल. की उपाधियां प्राप्त की है। उन्होंने पूर्वी, दक्षिण पूर्व और मध्य रेलवे में विभिन्न पदों पर काम किया है। इसके अतिरिक्तै कोंकण रेलवे, मुम्बंई रेलवे विकास निगम एवं मिल-रेल

जिलाधिकारी ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। दिनांक 1 अक्टूबर 2022 को तहसील नर्वल, अंतर्गत हुई सड़क दुर्घटना में 26 लोगों की दु:खद मृत्यु हुई थी।जिसके परिपेक्ष में मा0 मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश जी द्वारा दुर्घटना में मृतक के परिवारों को मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत एक- एक आवास दिए जाने की घोषणा की गयी थी। इस संबंध में ग्राम कोरथा में पूर्ण हो चुके मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 19 आवासों के कालोनी का विकास कार्यो का आज स्थलीय निरीक्षण जिलाधिकारी श्री विशाख जी0 द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित समस्त संबंधित विभागों के अधिकारियों को निम्न निर्देश दिए गए। आवासों के जो शेष कार्य अवशेष है उस कार्य को युद्ध स्तर पर एक सप्ताह में पूर्ण करना सुनिश्चित किया जाए ।

कालोनी की जल निकासी के लिए पाइप लाइन डालने के निर्देश जिला पंचायत राज अधिकारी को दिए ।

खंड विकास अधिकारी भीतरगांव को निर्देशित किया गया कि सम्पूर्ण आवासों में एक रुपता के आधार पर पेंट कराना सुनिश्चित किया जाए।निरीक्षण के दौरान अभियंता, दक्षिणांचल द्वारा अवगत कराया गया कि समस्त आवासों के लिए विधुतीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं पूरे परिसर में प्रकाश व्यवस्था का कार्य भी पूर्ण किया जा चुका है ।

कालोनी तक जाने वाले रास्ते में इंटरलॉकिंग तथा कालोनी के प्रांगण में पार्क एवं आवास तक पहुचने हेतु पाथवे का निर्माण कराया गया है। जल निगम द्वारा संपूर्ण आवासों में जल जीवन मिशन योजना के अंतर्गत हर घर नल से जल योजना के तहत पाइपलाइन डालने का काम पूर्ण किया गया है।निर्माणाधीन आवासों के प्रांगण में बनाई जाने वाली नालियों को ढकते के लिए जाली लगाने के निर्देश सहायक अभियंता आर0ई0एस0 को दिए।निर्माणाधीन आवासो के सामने बनाए गए खेल मैदान में स्थित पेडों के चबूतरे बनाने एवं बैठने के लिए बेंच लगाने के निर्देश खण्ड विकास अधिकारी को दिए।मुख्यमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्माणाधीन 19 आवासों में उनके गोवंश को बांधने के लिए कैटल शेड की व्यवस्था भी की गई है।निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने अवगत कराया कि संपूर्ण कालोनी में 2 कम्पोस्ट फिट का भी निर्माण कार्य कराया जाएगा जिसके लिए संबंधित विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया गया है। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी श्री सुधीर कुमार, उप जिला अधिकारी नरवर, उपायुक्त मनरेगा, जिला पंचायत राज अधिकारी, अधिशासी हाइडिल, खंड विकास अधिकारी भीतरगांव ग्रामीण अभियंत्रण विभाग समेत अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ज्ञान आधारित खेती करना आवश्यक: कुलपति

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए के सब्जी विज्ञान विभाग पर वैज्ञानिकों एवं प्रसार विशेषज्ञों के मध्य वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति द्वारा कहा गया कि वर्तमान में ज्ञान आधारित खेती करना आवश्यक है। तथा खेती में सहभागिता का समावेश किया जाना भी अति आवश्यक है।यदि किसान ज्ञान एवं सहभागिता दोनों के बीच समन्वय स्थापित करते हुए खेती को व्यवसायिक रूप में करेंगे तो किसानों की आय में निश्चित रूप से दोगुनी बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि किसानों का उत्तरोत्तर विकास किया जाना आवश्यक है।जिसके लिए तकनीकी आधार मजबूत करना पड़ेगा उन्होंने सब्जी विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों को निर्देशित किया कि हर्बल एरिया के लिए किसानों को प्रेरित करें। तथा बाजार का अध्ययन करते हुए बाजार की मांग के अनुरूप फसलों एवं प्रजातियों की बुवाई करने के संबंध में व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। कुलपति द्वारा कहा गया कि

सब्जी विभाग में सूचना ज्ञान केंद्र स्थापित किया जाना चाहिए, जो नियमित रूप से सब्जी उत्पादकों को नवीनतम जानकारी दें। तथा केंद्र व राज्य सरकार द्वारा सब्जी उत्पादकों के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं के संबंध में जानकारी दे सकें।

उन्होंने कहा कि सब्जियों की गुणवत्ता के आधार पर ब्रांड विकसित किया जाए।जिसके लिए विकासशील किसानों का भी सहयोग लें।कुलपति द्वारा रसायनों के कम प्रयोग के सलाह देते हुए कहा कि पौधे केवल 30 से 35त्न उर्वरकों का प्रयोग करते हैं शेष 65 से 70त्न प्रदूषण बढ़ाते हैं जिससे मिट्टी तथा पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ खलील खान ने बताया कि कार्यक्रम में निदेशक शोध डॉ पी के सिंह द्वारा बताया गया कि किसानों की मांग के अनुरूप शोध पप्राथमिकताएं निर्धारित करते हुए शोध की गतिविधियां क्रियान्वित की जा रही है। कार्यक्रम में सब्जी विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ राम बटुक सिंह ने सामूहिक विपणन तथा कम क्षेत्रफल में शुद्ध लाभ देने वाली सब्जी फसलों के विषय में चर्चा की।कार्यक्रम में वरिष्ठ प्रबंधक किसान काल सेंटर टीवी सिंह द्वारा एफ पीओ के संबंध में जानकारी दी गई।कार्यक्रम में किसान किसान कॉल सेंटर के लगभग 60 प्रसार विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभाग किया गया।कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ राजीव सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ डीपी सिंह, डॉक्टर संजीव, डॉक्टर आई एन शुक्ला, डॉ पी के तिवारी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कार, डंपर की आमने-सामने भिड़ंत से लगी आग

कार सवार पांच घायल, पुलिस ने पहुँचाया अस्पताल,एक घंटे हाइवे रहा जाम

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। जहांगीराबाद गांव के पास कार और डंपर की आमने सामने भिड़ंत हो गई। जिसके बाद दोनों वाहनों मे आग लग गई। हादसे में कार सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को पहुँचाया घाटमपुर सीएच सी जहां से एक को गंभीर हालत में कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड फायर की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पा लिया है। कबरई के बम्होरी काजी निवासी कार चालक 28 वर्षीय रोहित शुक्ला पुत्र कामता प्रसाद अपने साथी बजरिया महोबा निवासी 27 वर्षीय मयंक शर्मा अपने पिता रामकिशोर साथी मनीष और बीरेंद्र के साथ मयंक का इलाज करवाने कानपुर स्थित निजी अस्पताल गए थे। वहां से देर शाम वापस घर लौट रहे थे। तभी घाटमपुर कोतवाली क्षेत्र के जहांगीराबाद गांव स्थित संतन गेट के पास पहुंचते ही सामने से ओवरटेक करके आ रहे डंपर से भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी, की दोनों वाहनों मे आग लग गई। हादसे के बाद जलता डंपर चालक लेकर लगभग पांच सौ मीटर आगे जाने के बाद डंपर छोड़ भाग निकला। हादसे राहगीरों ने घटना की घटना की सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने आग पर काबू पाया है। हादसे मे घायल कार सवारो को पुलिस ने एम्बुलेंस से घाटमपुर सीएचसी पहुँचाया है। जहां से रोहित को प्राथमिक उपचार कर गंभीर हालात मे कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घाटमपुर एसीपी दिनेश कुमार शुक्ला ने बताया कि घायलों को अस्पताल पहुँचाया गया है। वाहनों को किनारे करवाकर जाम खुलवाया गया है। तहरीर के आधार पर विधिक कर्रवाई की जाएगी। हादसे मे कार की टक्कर होने से डंपर का डीजल टैंक फट गया। वही डंपर चालक ने डंपर लेकर भागने की कोशिश की जिसके चलते दोनों गाड़ियों के घसीटने से उठी चिंगारी और आग में बदल गई आग से दोनों गाड़ियों में काफी नुकसान हो गया।

-कानपुर- सागर हाइवे पर एक घंटे लगा जाम

घाटमपुर के जहांगीराबाद मे सड़क हादसे के बाद जाम के हालात बन गए। कानपुर की ओर पतारा तक और घाटमपुर की ओर बीरपुर तक जाम लग गया। पुलिस ने वाहनों को हाइवे से किनारे करवाकर जाम खुलवाकर यातायात सामान्य सामान्य कराया है।

नव अधिवक्ता भाइयों के लिए अधिवक्ता एकेडमी की होगी स्थापना

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर बार एसोसिएशन के वार्षिक चुनाव अध्यक्ष पद के लिए प्रमोद द्विवेदी का जनसंपर्क कार्यक्रम एवं स्वागत सम्मान समारोह मोतीझील स्थित अधिवक्ता लेन कानपुर नगर में सम्पन्न हुआ। जिसमें उपस्थित सभी अधिवक्ताओं एवं कानपुर यंग लॉयर्स के पदाधिकारियों ने पंकज दीक्षित अधिवक्ता की अध्यक्षता में प्रमोद द्विवेदी का स्वागत किया गया।

एडवोकेट प्रमोद द्वितीय ने पत्रकारों को बताया कि आगामी चुनाव में यदि वह विजयी हुए तो निश्चित रूप से कानपुर बार एसोसिएशन में अधिवक्ता के हित में अनेक कार्य किये जायेंगे एवं नव अधिवक्ता भाइयों एकेडमिक की व्यवस्था की जाएगी ताकि इसके माध्यम से अधिवक्ताओं को न्यायालय के कार्य एवं प्रणाली से नव अधिवक्ताओं को अवगत कराकर उन्हें विधिक प्रक्रिया में आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो सके।यह व्यवस्था अपने आप में कानपुर बार एसोसिएशन की प्रथम एवं नवीन व्यवस्था होगी जो नवीन अधिवक्ताओं के भविष्य के लिए होगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पंकज दीक्षित अधिवक्ता, नीरज प्रसाद, अधिवक्ता रमाकान्त यादव, अधिवक्ता मनोज तिवारी, अधिवक्ता अर्पित यादव,आशीष निगम, उमेश द्विवेदी, शैलेन्द्र दीक्षित, सूर्य कुमार मिश्रा, मनीष पांडेय, जे.पी.गुप्ता, राजेश कुमार, शशी कान्त कुशवाहा, बी.एन.मिश्रा, राजीव सैनी, विराठ कुल श्रेष्ठ आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे।

होटलों को दी गई नोटिस पर हुई बैठक, जल्द ही संघर्ष समिति का होगा गठन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। हॉस्पिटैलिटी एसोसिएशन ऑफ यूपी की बैठक एक होटल फजलगंज में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य रूप से प्रदूषण विभाग द्वारा होटलों को दी गई नोटिस पर विचार विमर्श हुआ। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष डॉ गया प्रसाद शर्मा पांचाल ने की। मुख्य अतिथि के रूप में संस्था के मुख्य संरक्षक आर .के . सेठी ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार सीवर और वाटर टैक्स जब ले रही है तो उसे भूजल का पैसा नहीं लेना चाहिए यदि भूजल का पैसा ले रही है तो वाटर टैक्स नगर निगम को नहीं लेना चाहिए प्रत्येक होटल मालिक ने अपने यहां जो जनरेटर लगाए हैं उनमें कनोपी लगी है इसलिए वायु प्रदूषण नहीं होता है यदि सरकार हमें पानी दे तो हमें बोरिंग कराने की आवश्यकता नहीं है सरकार पानी दे नहीं पा रही और बोरिंग के नाम पर पंजीकरण की बात करती है अब हमको हाईकोर्ट में जाकर अपनी बात रखनी है।

वक्ताओं ने अपने तमाम समस्याओं को रखते हुए कहा लोकल आईडी पर कमरा देने में पुलिस परेशान करती है इस पर संस्था के अध्यक्ष डॉक्टर गया प्रसाद शर्मा ने कहा कि आप आईडी सबकी लीजिए जो वयस्क उनको एक कमरा दीजिए किसी तरह का अनैतिक कार्य ना होना चाहिए यदि फिर भी पुलिस परेशान करती है तो एसोसिएशन उनका साथ देगी। अग्निशमन विभाग किन कारणों से एनओसी नहीं दे रही है अथवा कार्यशीलता का प्रमाण पत्र भी नहीं देती है तो इसके संबंध में मुख्य अग्निशमन अधिकारी से वार्ता की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि 2 वर्ष से पर्यटन विभाग द्वारा सराय एक्ट के अंतर्गत पंजीकरण नहीं हो रहा है अब नई नीति आई है उस नीति के हिसाब से पोर्टल बन रहा है पोर्टल बन जाने के बाद उस के माध्यम से अप्लाई किया जाएगा।

प्रदेश अध्यक्ष ने घोषणा की कि कानपुर नगर में जल्द ही संघर्ष समिति का गठन किया जाएगा जो होटल वालों की समस्याओं को सुलाझाने का प्रयास करेगी। मंच का संचालन महामंत्री सुरेश गुप्त %राजहंस% ने किया। बैठक में मुख्य रूप से संजय पटेल मीडिया प्रभारी एवं प्रवक्ता सरदार इंदरजीत सिंह कोषाध्यक्ष सहित विकास रोहतगी, मनोज बाजपेई ,प्रेम सचदेवा, बालकिशन साहू, संजय उपाध्याय, पीएस पांडे धवल अग्रवाल ,बृजेश शर्मा ,राकेश कुशवाहा, शैलेंद्र मिश्रा, अजय सोलंकी, बृजेंद्र यादव, सूर्यभान सिंह, अमित गुप्ता कमल कालरा, राम नरेश यादव, ऋषि पाल ,राघवेंद्र गुप्ता विपुल शर्मा आदि मौजूद थे।

पुलिस ने 24 घण्टे में किया चोरी का हुआ राजफाश

कानपुर। थाना बिधनू पुलिस ने मोबाइल दुकान में हुई चोरी का 24 घंटे के अंदर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने चोरी करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार करके उसके पास से चोरी का माल भी बरामद किया है घटनाक्रम के मुताबिक 14 जुलाई को मोबाइल दुकान में हुई चोरी के संबंध में थाना विधनू पर मु0अ0सं0 धारा भादवि बनाम अज्ञात के विरुध्द पंजीकृत होकर विवेचना की जा रही थी। जिसमें किए अभियुक्त की गिरफ्तारी के प्रयास में टीम ने अभियुक्त सलीम पुत्र मेहन्दी हसन निवासी जाटनपुरवा टी0पी0 नगर थाना बाबूपुरवा कानपुर नगर को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त सलीम ने बताया कि कई दिन से रैकी की गयी कि दुकान कब खुलती व बंद होती है और इसी आधार पर एस. एन. मोबाइल शाप एन्ड इन्टरनेट कैफे माधवबाग को अपना टारगेट बनाया और घटना को अंजाम दिया। अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा रिमांड हेतु ना0 न्या0 के समक्ष पेश किया जाएगा ।नाम पता गिरफ्तार अभियुक्त सलीम पुत्र मेहन्दी हसन निवासी जाटनपुरवा टी0पी0 नगर थाना बाबूपुरवा कानपुर नगर।

गोल्डन आवर में प्राथमिक चिकित्सा मिलने पर बच सकता है जीवन: विंग कमांडर एसके यादव

बीपीएस न्यूज

कानपुर। 3यूपी एयर स्क्वाडन एन सी सी के सीएटीसी 195 प्रशिक्षण शिविर में एनसीसी कैडेटों को आपदा प्रबंधन और प्राथमिक चिकित्सा प्रशिक्षण लखन शुक्ला मुख्य प्रशिक्षक आपदा प्रबंधन कानपुर मास्टर ट्रेनर रेडक्रॉस और डॉ परवेज अख्तर आजीवन सदस्य रेडक्रॉस ने दिया लखन शुक्ला ने बताया यदि कोई एक्सीडेंट में या आपदा में घायल होता है तो हमको उसकी मदद करनी चाहिए किसी घटना दुर्घटना के तीन कारण लापरवाही अज्ञानता जल्दबाजी है घायलों के मरने का सबसे बड़ा कारण समय पर उन्हें फस्ट एड नहीं मिल पाती है यदि हम घायल को गोल्डन आवर में मदद दे सबसे पहले रक्तस्राव को रोके रक्तश्राव रोकने हेतु तिकोनी पट्टी का प्रयोग बताया गया सी पी आर द्वारा कृतिम श्वांस के माध्यम से जीवन बचाने के तरीके सिखाया जिसमे कैडेट वर्षा पर सी पी आर के माध्यम से हृदय गति के मरीजों को कृतिम श्वास इलेक्ट्रिक अटेक बर्न एसिड बर्न में प्राथमिक उपचार का डेमो दिया गया प्राथमिक के दौरान कोरोना से बचाव की जानकारी भी दी गई लखन शुक्ला ने टू हैंडसीट श्री हैंडसीट तथा फोर हैंडसीट द्वारा रेस्क्यू कर घायल को ट्रांसपोर्ट करने का तथा लाइव फायर पर डेमो दिया गया श्री शुक्ल ने आग से बचाव आग के प्रकार अग्नि शामक यंत्र की जानकर दी विधिक साक्षरता और साईवर अपराध विषय डॉ परवेज अख्तर और चंद्रलेखा ने जानकारी दी।3यूपी एयर स्क्वाडन एन सी सी के कैंप कमांडर विंग कमांडर सुशील कुमार यादव एन ओ, एनसीसी कैडेट आदि उपस्थित रही।

कर निरीक्षक ने हाउस टैक्स में किया फर्जीवाड़ा

100 लोगों से वसूला टैक्स कार्यालय में नहीं किया जमा,-नये सिरे से जांच होने तक कर निरीक्षक से कोई काम नहीं कराया जाएगा: नगर आयुक्त

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर निगम जोन-6 में तैनात कर निरीक्षक ने गृह कर में फर्जीवाड़ा किया। लोगों से हाउस टैक्स वसूलकर नगर निगम में पैसा जमा करने की बजाय अपनी जेब में रख लिया और निगम की रसीदें भी गायब कर दी।फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद नगर आयुक्त ने जांच के आदेश दिए हैं।

नगर आयुक्त ने बताया कि जोन-6 में तैनात दीपक यादव पर हाउस टैक्स वसूली में गबन का आरोप लगा है। कर निरीक्षक ने करीब 100 लोगों से हाउस टैक्स वसूला लेकिन नगर निगम में पैसा जमा नहीं किया। ये फर्जीवाड़ा जोन-3 में तैनाती के दौरान किया गया। उस वक्त कर निरीक्षक वार्ड 90 किदवई नगर का हाउस टैक्स वसूलता था। करीब 4 लाख रुपए टैक्स वसूली का गबन किया गया।नगर आयुक्त के मुताबिक इस फर्जीवाड़े की जांच अपर नगर आयुक्त प्रथम को दी गई थी। लेकिन उनका ट्रांसफर हो गया। अब नए सिरे से जांच के आदेश दिए हैं। जांच पूरी होने तक कर निरीक्षक से कोई काम नहीं कराया जाएगा। एक हफ्ते में जांच रिपोर्ट मांगी गई है।इसके बाद कार्रवाई तय की जाएगी।नगर निगम में तैनात कर निरीक्षक का ये कोई पहला कारनामा नहीं है। इससे पहले भी कई कर निरीक्षक इस तरह के कारनामे को अंजाम दे चुके हैं। हाउस टैक्स जमा करने के बाद भी लोग परेशान घूम रहे हैं। क्योंकि उनके पास हाउस टैक्स जमा करने के नोटिस पहुंच रहे हैं। वहीं कर निरीक्षक दीपक ने जांच में दो बिल बुक खोने की बात कही है।

घर में घुसकर दंपत्ति पर धारदार हथियार से हमला

अवैध संबंधों और लेनदेन में विवाद की आशंका, जांच शुरू

बीपीएस न्यूज

कानपुर। चकेरी थाना क्षेत्र में एक बार फिर गुरूवार को खूनी संघर्ष की वारदात सामने आई। यहां एक सिरफिरे ने दिनदहाड़े घर में घुसकर पति-पत्नी पर जानलेवा हमला कर दिया। थाना क्षेत्र के गांधीग्राम निवासी दंपती के घर में घुसकर चाकू और ईंट से हमला किया गया है। घटना के बाद घायलों को कांशीराम अस्पताल भेजा गया।यहां गंभीर हालत देखते हुए उन्हें हैलट रेफर किया गया।

वहीं, पकड़े गए आरोपी को मोहल्ले के लोगों ने जमकर पीटा। इसके बाद उसे पुलिस हवाले कर दिया गया। चकेरी गांधीग्राम निवासी जितेंद्र दीक्षित के मकान में मूलरूप फतेहपुर के जाफरगंज निवासी लक्ष्मी नारायण गुप्ता (45) चार साल से किराए पर रहते हैं।उनके साथ पत्नी मंजू (42) और बेटा शिवा (19) भी रहता है। वहीं, दूसरे तल पर मकान मालिक जितेंद्र अपनी पत्नी कल्पना और परिवार के साथ रहते हैं। इसके अलावा तीसरे तल पर मूल रूप से बलिया निवासी रामू सैनी परिवार के साथ रहते हैं। जानकारी के अनुसार गुरुवार दोपहर लक्ष्मी नारायण की पत्नी मंजू घर पर अकेली थीं।

- मकान मालिक बोले- लगा पति-पत्नी में विवाद हो रहा है

इस दौरान आरोपी गांधीग्राम निवासी हेमंत कुमार गौतम इनके घर पहुंचा। इसके बाद पीछे से दोपहर में खाना खाने के लिए लक्ष्मीकांत गुप्ता भी घर पहुंचे। मकान मालिक के अनुसार नीचे से विवाद की आवाज आने लगी। पहले उन्होंने सोचा कि शायद पति-पत्नी विवाद हो रहा है। कुछ देर में बात लक्ष्मी खून से लथपथ ऊपर आ पहुंचे।

- आरोपी ने रामू के सिर पर भी हमला कर दिया

वहीं, पीछे से हाथ में धारदार हथियार लिए आरोपी हेमंत जान लेने पर आमादा था। इसके बाद पास ही पड़ा डंडा उठाकर किसी तरह लक्ष्मी की जान की जान बचाई। इसके बाद आरोपी ने मंजू पर भी हमला कर दिया। इसके बाद मोहल्ले में जमा हुई भीड़ ने उसे पकड़ने कोशिश की। इस दौरान उसने रामू के सिर पर भी हमला कर दिया।

- गंभीर हालत में सभी को हैलट भेजा गया

घटना के बाद आरोपी को किसी तरह काबू में पाया गया। बताया गया कि वह काफी नशे की हालत में था। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को कांशीराम अस्पताल पहुंचाया, जहां से गंभीर हालत में सभी को हैलट भेजा गया। इसके बाद घटनास्थल पर पहुंचे एसीपी चकेरी और इंस्पेक्टर अशोक दुबे मौके पर पहुंचे।

- बेटा शिवा घर पर नहीं था

मामले में पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है। घटना में घायल लक्ष्मी नारायण गुप्ता पोखरपुर स्थित एक दाल मिल में मजदूरी करता है। इनका बेटा शिवा किसी निजी फैक्टरी में काम करता है। घटना के दौरान बेटा शिवा घर पर नहीं था। घटना की जानकारी के बाद वह हैलट पहुंचा है। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

लोकसभा 2024 के चुनाव में प्रदेश से भाजपा को उखाड़ फेंकेंगे

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर ग्रामीण की मासिक बैठक नवीन मार्केट कार्यालय में हुई। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक व ग्रामीण जिला अध्यक्ष मुनीन्द्र शुक्ला ने विधानसभा अध्यक्षों, फ्रंटल अध्यक्षों, विशेष आमंत्रित सदस्य एवं पदाधिकारियों से कहा कि आज संगठन में मजबूती लाने की आवश्यकता है। आम जनमानस भीषण महंगाई से त्रस्त है। जनता की खानें की थाली से टमाटर, दाल, मिर्च आदि गायब हो गए हैं। जनता खून के आंसु बहा रही है। बेरोज़गारी चरम सीमा पर है। स्वास्थ्य सेवा बिगड़ी हुई है। बच्चों की किताबें बहुत महंगी हो गई है इस पर सरकार विफल है। इस बार 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता भाजपा को प्रदेश से उखाड़ फेंकेगी। मासिक बैठक का संचालन जिला महासचिव जितेंद्र कटियार ने किया। बैठक में योगेंद्र कुशवाहा, अर्चना रावल, सुरेश गुप्ता, नसीम रजा, राजीव अवस्थी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चंद्रयान 3 चंद्र मिशन

भारत का चंद्रयान 3 मिशन चंद्रमा की सतह की रासायनिक और भूवैज्ञानिक संरचना का विश्लेषण करने के लिए वैज्ञानिक पेलोड के साथ एक लैंडर और रोवर ले गया है।

लैंडिंग स्थल: चंद्र दक्षिणी ध्रुव के पास 100 किमी गोलाकार ध्रुवीय कक्षा

लैंडर पेलोड: चंद्रमा के भूकंपों का पता लगाने के लिए भूकंपमापी, तापीय चालकता और तापमान को मापने के लिए प्रयोग,

निकट-सतह प्लाज्मा-आयनों और इलेक्ट्रॉनों में परिवर्तन को मापने के लिए जांच - और नासा निष्क्रिय लेजर प्रयोग

विक्रम चंद्र लैंडर: कैरियर रोवर प्लस चार वैज्ञानिक पेलोड

ऑर्बिटर: लैंडर और रोवर को चंद्रमा की कक्षा में पहुंचाता है

द्रव्यमान:2148 किग्रा

ऑर्बिटर संचार रिले उपग्रह के रूप में कार्य करता है

ऑर्बिटर पर पृथ्वी-अवलोकन प्रयोग रहने योग्य पृथ्वी जैसे ग्रहों की चंद्र कक्षा के हस्ताक्षरों से वर्णक्रमीय माप करेंगे

द्रव्यमान: 1752 किग्रा जिसमें **26 किलो** का रोवर भी शामिल है

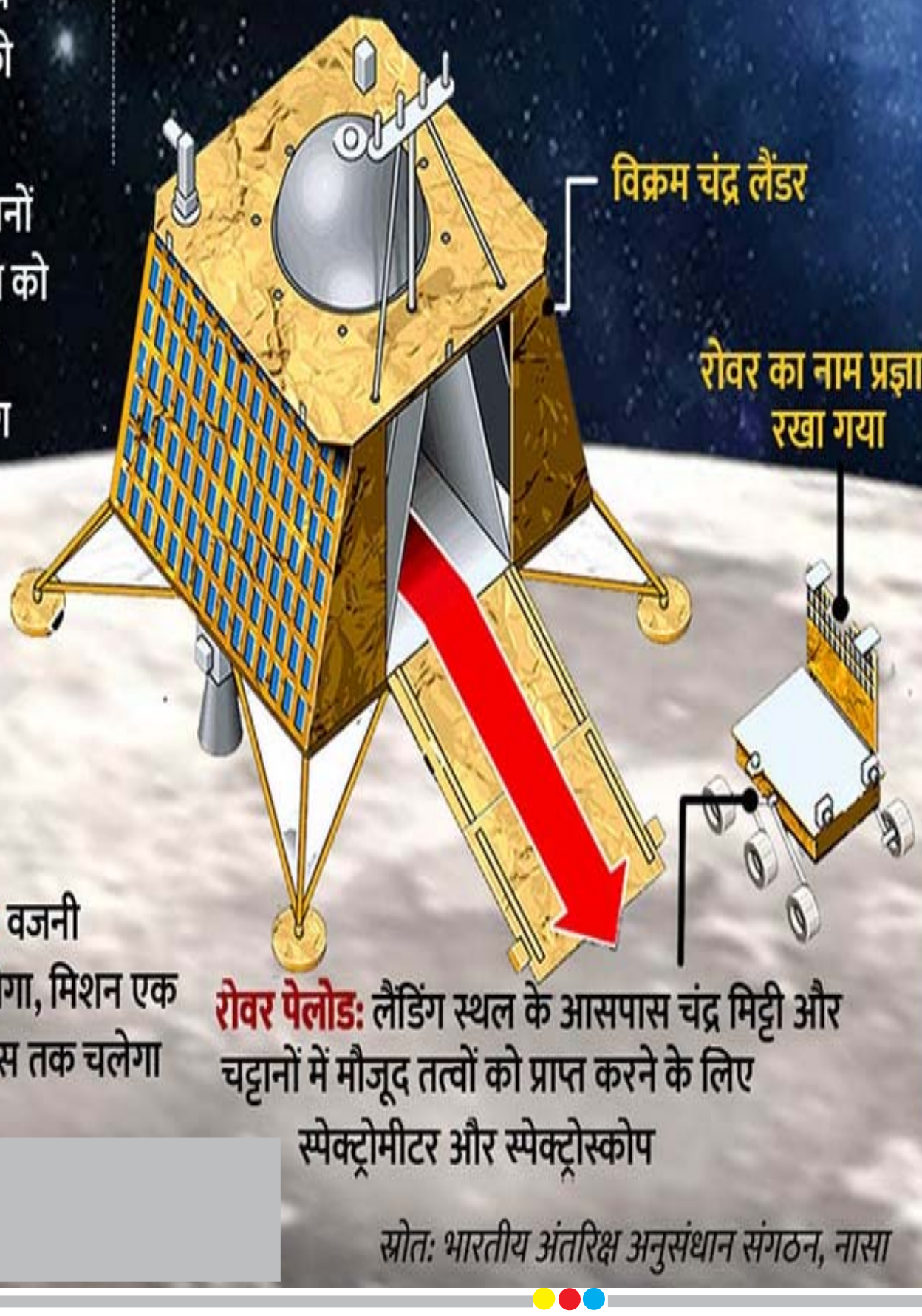

प्रक्षेपण यान मार्क-III:
दो ठोस-ईंधन स्ट्रैप-ऑन बूस्टरएक तरल-ईंधन कोर चरण की

कुल लंबाई: 43.5 मी

LVM3 3900 किलोग्राम वजनी चंद्रयान 3 लेकर रवाना होगा, मिशन एक चंद्र दिवस- 14 पृथ्वी दिवस तक चलेगा

रोवर पेलोड: लैंडिंग स्थल के आसपास चंद्र मिट्टी और चट्टानों में मौजूद तत्वों को प्राप्त करने के लिए स्पेक्ट्रोमीटर और स्पेक्ट्रोस्कोप

स्रोत: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, नासा

चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण से भारत ने रच दिया नया इतिहास

चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण के बाद इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि चंद्रयान-3 की 'सॉफ्ट लैंडिंग' 23 अगस्त को शाम पांच बजकर 47 मिनट पर किए जाने की योजना है। हम आपको बता दें कि गुरुवार को शुरू हुई 25.30 घंटे की उलटी गिनती के अंत में एलवीएम3-एम4 रॉकेट श्रीहरिकोटा स्थित अंतरिक्ष प्रक्षेपण केंद्र के दूसरे 'लॉन्च पैड' से आज अपराह्न 2.35 बजे निर्धारित समय पर धुएं का घना गुबार छोड़ते हुए शानदार ढंग से आकाश की ओर रवाना हुआ।

श्रीहरिकोटा का दृश्य

इसरो के अधिकारियों के अनुसार, उड़ान भरने के लगभग 16 मिनट बाद प्रणोदन मॉड्यूल रॉकेट से सफलतापूर्वक अलग हो गया और यह चंद्र कक्षा की ओर बढ़ते हुए पृथ्वी से 170 किमी निकटतम और 36,500 किमी सुदूरतम बिंदु पर एक अण्डाकार चक्र में लगभग पांच-छह बार पृथ्वी की परिक्रमा करेगा। एलवीएम3-एम4 रॉकेट अपनी श्रेणी में सबसे बड़ा और भारी है जिसे वैज्ञानिक 'फैट बॉय' या 'बाहुबली' कहते हैं। प्रक्षेपण देखने के लिए मौजूद हजारों दर्शक चंद्रयान-3 के रवाना होते ही खुशी से झूम उठे और सफल प्रक्षेपण के बाद वैज्ञानिकों ने तालियां बजाईं। लैंडर के साथ प्रणोदन मॉड्यूल, गति प्राप्त करने के बाद चंद्रमा की कक्षा तक पहुंचने के लिए एक महीने से अधिक लंबी यात्रा पर तब तक आगे बढ़ेगा जब तक कि यह चंद्र सतह से 100 किमी ऊपर नहीं पहुंच जाता। इसरो के वैज्ञानिकों ने कहा कि वांछित ऊंचाई पर पहुंचने के बाद लैंडर मॉड्यूल चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र पर 'सॉफ्ट लैंडिंग' के लिए उतरना शुरू कर देगा। आज रवाना हुआ 'चंद्र मिशन' 2019 के 'चंद्रयान-2' का अनुवर्ती मिशन है। भारत के इस तीसरे चंद्र मिशन में भी अंतरिक्ष वैज्ञानिकों का लक्ष्य चंद्रमा की सतह पर लैंडर की 'सॉफ्ट लैंडिंग' का है। 'सॉफ्ट लैंडिंग' इस अभियान का सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सा होगी ।हम आपको याद दिला दें कि 'चंद्रयान-2' मिशन के दौरान अंतिम क्षणों में लैंडर 'विक्रम' पथ विचलन के चलते 'सॉफ्ट लैंडिंग' करने में सफल नहीं हुआ था। यदि इस बार इस मिशन में सफलता मिलती है तो भारत ऐसी उपलब्धि हासिल कर चुके अमेरिका, चीन और पूर्व सोवियत संघ जैसे देशों के क्लब में शामिल हो जाएगा।

इसरो अधिकारियों के बयान

बहरहाल, चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण के बाद इसरो अध्यक्ष एस सोमनाथ ने मिशन नियंत्रण कक्ष (एमसीसी) से कहा कि रॉकेट ने चंद्रयान-3 को सटीक कक्षा में स्थापित कर दिया है। उन्होंने कहा, बधाई हो, भारत। चंद्रयान-3 ने चंद्रमा की ओर अपनी यात्रा शुरू कर दी है। हमारे प्रिय एलवीएम-3 ने पहले ही चंद्रयान-3 को पृथ्वी के चारों ओर सटीक कक्षा में स्थापित कर दिया हैज और आइए हम चंद्रयान-3 को आगे की कक्षा में बढ़ाने की प्रक्रिया तथा आने वाले दिनों में चंद्रमा की ओर इसकी यात्रा के लिए शुभकामनाएं व्यक्त करें। सोमनाथ ने कहा कि चंद्रयान-3 की 'सॉफ्ट लैंडिंग' 23 अगस्त को शाम पांच बजकर 47 मिनट पर किए जाने की योजना है।

उधर, मिशन निदेशक एस मोहन कुमार ने कहा कि एलवीएम3 रॉकेट एक बार फिर इसरो का सबसे विश्वसनीय भारी प्रक्षेपण वाहन साबित हुआ है। उन्होंने कहा, हम राष्ट्रीय आवश्यकताओं के साथ-साथ उपग्रह मांगों को ध्यान में रखते हुए इस वाहन की प्रक्षेपण आवृत्ति बढ़ाने की प्रक्रिया में हैं। परियोजना निदेशक पी वीरमुथुवेल ने कहा कि प्रणोदन मॉड्यूल और लैंडर मॉड्यूल में बिजली उत्पादन सहित अंतरिक्ष यान के सभी मानक सामान्य हैं।

केंद्रीय मंत्री का बयान

दूसरी ओर, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने आज के प्रक्षेपण को भारत के लिए गौरव का क्षण करार दिया। भारत को गौरवान्वित करने के लिए इसरो टीम की सराहना करते हुए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का धन्यवाद व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने श्रीहरिकोटा के द्वार खोलकर तथा भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र को सक्षम करके इसे संभव बनाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने हाल ही में कहा था कि सफलता की कोई सीमा नहीं है और 'मुझे लगता है कि चंद्रयान ब्रह्मांड के अज्ञात क्षितिजों का पता लगाने के लिए आकाश की सीमा से आगे निकल गया है।' जितेंद्र सिंह ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक कहे जाने वाले दिवंगत विक्रम साराभाई की सराहना करते हुए कहा कि आज का दिन उनके सपनों की पुष्टि का दिन भी है। उन्होंने कहा, ''यह दिन उस सपने का संकेत है जो विक्रम साराभाई ने छह दशक पहले देखा था। उनके पास संसाधनों की भले ही कमी रही हो, लेकिन आत्मविश्वास की कभी कमी नहीं थी।'' मंत्री ने कहा कि साराभाई और उनकी टीम को खुद पर, भारत की क्षमता और इसकी कुशलता पर भरोसा था। जितेंद्र सिंह और कई पूर्व इसरो प्रमुख इस प्रक्षेपण को देखने के लिए उपस्थित थे।

कुछ पुरानी बातें

हम आपको याद दिला दें कि इससे पहले चंद्रयान-1 को 2008 और चंद्रयान-2 मिशन को 2019 में अंजाम दिया गया था। पिछली बार की तरह इस बार भी चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र को अन्वेषण के लिए चुना गया है क्योंकि चंद्रमा का दक्षिणी ध्रुव उत्तरी ध्रुव की तुलना में बहुत बड़ा है। इसके आस-पास स्थायी रूप से छाया वाले क्षेत्रों में पानी की मौजूदगी की संभावना हो सकती है। चंद्रयान-3 मिशन में एक स्वदेशी प्रणोदन मॉड्यूल, लैंडर मॉड्यूल और एक रोवर शामिल है जिसका उद्देश्य अंतर-ग्रहीय अभियानों के लिए आवश्यक नई प्रौद्योगिकियों को विकसित करना और प्रदर्शित करना है। लैंडर की 'सॉफ्ट लैंडिंग' के बाद इसके भीतर से रोवर बाहर निकलेगा और चंद्र सतह पर चहलकदमी कर अपने उपकरण-एपीएक्सएस-एल्फा पार्टिकल एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर की मदद से अन्वेषण कार्य को अंजाम देगा।

राष्ट्रपति की शुभकामनाएं

इस बीच, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत के तीसरे चंद्र मिशन-'चंद्रयान-3' के सफल प्रक्षेपण पर इसरो को बधाई दी और कहा कि यह अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रगति के प्रति राष्ट्र की दृढ़ प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है। राष्ट्रपति भवन ने राष्ट्रपति मुर्मू के हवाले से ट्वीट किया, भारत के तीसरे चंद्र मिशन चंद्रयान-3 का सफल प्रक्षेपण अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में एक और मील का पत्थर है। इसके लिए इसरो, टीम और उन सभी को शुभकामनाएं, जिन्होंने इस कार्य को पूरा करने के लिए अथक परिश्रम किया।'' मुर्मू ने कहा, चंद्र अभियान की सफलता पर मेरी शुभकामनाएं।''

प्रधानमंत्री ने दी बधाई

उधर, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चंद्रयान-3 के सफल प्रक्षेपण के बाद कहा कि यह भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया अध्याय है। उन्होंने इस उपलब्धि को वैज्ञानिकों के अथक समर्पण का प्रमाण बताया। मोदी ने यान के प्रक्षेपण के तत्काल बाद एक ट्वीट में कहा, ''चंद्रयान-3 ने भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक नया अध्याय लिखा है। यह हर भारतीय के सपनों और महत्वाकांक्षाओं को ऊपर उठाते हुए ऊंची उड़ान भरता है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हमारे वैज्ञानिकों के अथक समर्पण का प्रमाण है। मैं उनकी भावना और सरलता को सलाम करता हूं!'' इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने चंद्रयान-3 के प्रक्षेपण के लिए शुभकामनाएं दीं और कहा कि भारतीय अंतरिक्ष के क्षेत्र में 14 जुलाई 2023 का दिन हमेशा स्वर्णिम अक्षरों में अंकित रहेगा तथा यह राष्ट्र की आशाओं और सपनों को आगे बढ़ाएगा।

कांग्रेस ने लिया श्रेय

दूसरी ओर, कांग्रेस ने 'चंद्रयान-3' का प्रक्षेपण किए जाने के बाद कहा कि यह सभी देशवासियों के लिए गर्व का विषय है और वह इसरो के सभी लोगों को सलाम करती है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के आत्मनिर्भर होने का एक लंबा इतिहास रहा है और इस दौरान इसे राजनीतिक नेतृत्व का भरपूर सहयोग मिला है। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए भारतीय राष्ट्रीय समिति की स्थापना फरवरी, 1962 में की गई थी। इसके लिए होमी भाभा और विक्रम साराभाई का धन्यवाद। साराभाई ने अगस्त 1969 में इसरो बनाया। यह उनका और बाद में सतीश धवन का विज़न था, जिसने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को एक विशिष्ट विकासात्मक उद्देश्य दिया।'' कांग्रेस नेता के अनुसार, ''1972 और 1984 के बीच धवन ने हर तरह से इसरो समुदाय का मार्गदर्शन किया। यूआर राव से शुरू होकर अब तक उनके प्रत्येक उत्तराधिकारी ने साराभाई-धवन की विरासत को आगे बढ़ाया है और महत्वपूर्ण योगदान दिया है।''

चंदा मामा दूर वाली कविता अब बीते दौर की बात

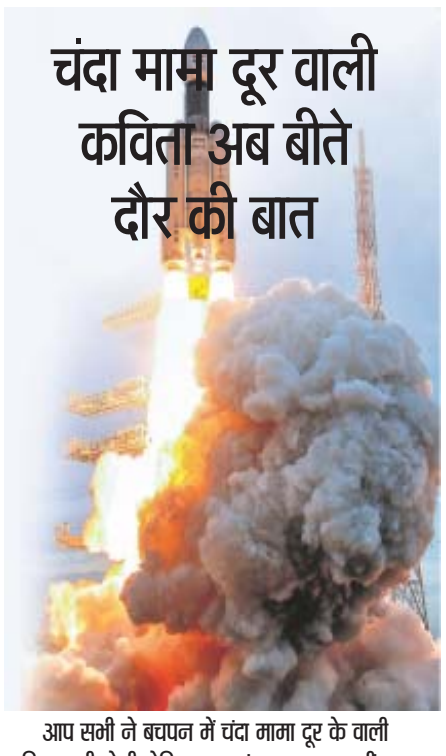

आप सभी ने बचपन में चंदा मामा दूर के वाली कविता सुनी होगी लेकिन अब चंदा मामा दूर नहीं पास आने वाले हैं ज्योंकि भारत ने आज जो इतिहास रचा है उसको देखकर दुनिया दांतों तले उंगली दबाए हुए है। भारत ने एलवीएम3-एम4 रॉकेट के जरिए अपने तीसरे चंद्र मिशन-'चंद्रयान-3' का जो सफल प्रक्षेपण किया वह यह भी दर्शाता है कि हम गलतियों से सबक लेने वाले और लक्ष्य के लिए कभी प्रयास नहीं छोड़ने वाले लोग हैं। पंद्रह साल में यह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का यह तीसरा चंद्र मिशन था। पूरी दुनिया की नजरें इस बात पर लगी थीं कि भारत सफल होता है या नहीं। चंद्रयान के सफल प्रक्षेपण के बाद देश में खुशी की लहर है और एक दूसरे को बधाइयों का दौर चल रहा है। आज के अभियान के बाद अब चंद्र सतह पर एक बार फिर 'सॉफ्ट लैंडिंग' का प्रयास किया जाएगा। इसमें सफलता मिलते ही भारत ऐसी उपलब्धि हासिल कर चुके अमेरिका, पूर्व सोवियत संघ और चीन जैसे देशों के क्लब में शामिल हो जाएगा।

ज्योति मौर्य का बड़ा दावा, कहा

'मेरी प्राइवेट तस्वीरें वायरल कर सकता है आलोक'

पीसीएस ज्योति मौर्य, आलोक मौर्य और होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे के कथित प्रेम त्रिकोण में अब नया ट्विस्ट आ गया है. दरअसल इस मामले में अबतक लगभग खामोश रही ज्योति मौर्य का आरोप है कि उसके पति आलोक मौर्य पर उसकी प्राइवेट तस्वीरें हैं, जिसे वो वायरल कर सकता है. एक मीडिया हाउस से बात करते हुए ज्योति ने कहा कि उसके पति आलोक मौर्य ने उसका व्हाट्सएप अकाउंट हैक किया था, जिसमें उनकी कुछ प्राइवेट फोटोज हैं. इसके साथ ही आलोक के पास उनके कुछ सीक्रेट डॉक्यूमेंट्स हैं, जिसका वो गलत इस्तेमाल कर सकता है.

यानी साफ है कि ज्योति मौर्य ने अपने सफाइकर्मी पति पर नया और संगीन आरोप लगाते हुए कहा है कि आलोक मौर्य के पास उनकी प्राइवेट तस्वीरें हैं. अगर यूपी पुलिस ने सही समय पर उसके खिलाफ एक्शन नहीं लिया तो वह उनकी प्राइवेट तस्वीरों को वायरल कर सकता है. अपने इस इंटरव्यू में ज्योति ने बताया कि आलोक इमोशनल कार्ड खेल रहा है. उन्होंने ये भी कहा कि फैमिली कोर्ट में तलाक की अर्जी लगी है. जिसकी अगली सुनवाई 18 अगस्त को है. वहां मैं अपना पक्ष रखूंगी. वहीं रिश्वत के आरोपों पर ज्योति ने कहा कि इस मामले को लेकर उनके खिलाफ विभागीय जांच चल रही है. उच्च अधिकारी जब कुछ पूछेंगे तो उसका जवाब दिया जाएगा. यह पूरा मामला उस दौरान सामने आया, जब प्रयागराज के रहने वाले आलोक मौर्य ने बताया कि उन्होंने अपनी पत्नी को पीसीएस अधिकारी बनाने में तन-मन-धन से सहयोग किया, लेकिन ज्योति उनके पीठ पीछे उसे धोखा दे रही थी, क्योंकि उसका अफेयर होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे से चल रहा था. मनीष दुबे के

खिलाफ विभागीय जांच पूरी हो चुकी है, जिसके तहत उन्हें सस्पेंड किया जा सकता है. वहीं ज्योति ने कहा है कि आलोक समझौते का दबाव बना रहा है पर वो इसके लिए 50 लाख कैश और अन्य डिमांड रख रहा है.

ज्योति मौर्या केस में 1 कॉल रिकॉर्डिंग ने केस को किया ट्विस्ट, जांच कमेटी ने की सिफारिश

एसडीएम ज्योति मौर्या और होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे के खिलाफ हुई शिकायतों की जांच की रिपोर्ट डीजी होमगार्ड बिजय कुमार मौर्या को सौंप दी गई है. सूत्रों के मुताबिक होमगार्ड संगठन के डीआईजी रेंज प्रयागराज संतोष कुमार ने अपनी जांच में कमांडेंट मनीष दुबे को दोषी पाया है. जिसके बाद पूरे प्रकरण की जांच रिपोर्ट डीजी होमगार्ड बीके मौर्या ने अपनी संस्तुतियों के साथ शासन (उत्तर प्रदेश सरकार) को भेज दी है. सूत्रों के मुताबिक ये भी जानकारी मिली है कि डीजी होमगार्ड ने कमांडेंट मनीष दुबे को निलंबित करने के साथ मुकदमा दर्ज कर जांच करने की संस्तुति दी है. ऐसे में अब माना जा रहा है कि मनीष दुबे को जल्द ही निलंबित भी किया जा सकता है. मनीष दुबे के खिलाफ जांच करने वाले अधिकारी ने पूछताछ के लिए एसडीएम ज्योति मौर्या को भी बुलाया था. लेकिन उन्होंने जांच में शामिल होने से मना कर दिया था.शाषन के स्तर पर इस मामले की बात करें तो बरेली में चीनी मिल में तैनात पीसीएस ज्योति मौर्या के खिलाफ जांच में मिले तथ्यों से शासन को अवगत कराया जाएगा. आपको बताते चलें कि ये प्रकरण सामने आने के बाद मनीष दुबे का तबादला गाजियाबाद जिले से जनपद महोबा कर दिया गया था. वहीं ज्योति मौर्या ने नियुक्ति विभाग को अपने खिलाफ हो रहे दुष्प्रचार को लेकर हाल ही में एक प्रत्यावेदन भी सौंपा था, जिसमें पूरे प्रकरण की जांच करा दोषियों को दंडित करने की मांग की थी.ज्योति मौर्या के पति आलोक मौर्या ने होमगार्ड संगठन में शिकायत की थी कि कमांडेंट मनीष दुबे का उनकी पत्नी के साथ अफेयर चल रहा है और दोनों उनकी हत्या की साजिश रच रहे हैं. उन्होंने अपनी शिकायत के साथ सुबूत के तौर पर कई व्हाट्सएप चैट, कॉल रिकॉर्ड आदि सौंपे थे. वहीं आलोक ने कहा कि ज्योति मौर्य और उनके बीच 2010 से 2020 के बीच कोई दिक्कत नहीं थी, पूरा परिवार सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था, लेकिन अचानक मनीष दुबे की एंट्री के चलते उनके परिवार में बिखराव हुआ है. आलोक मौर्य ने पत्नी ज्योति से विवाद की वजह को सीधे तौर पर मनीष दुबे को ठहराया है.आलोक ने ये दावा भी किया है कि उनके पास पत्नी ज्योति मौर्य और मनीष दुबे के बीच बातचीत के वीडियो मौजूद है, इसके अलावा अन्य बातें भी दोनों के बीच जो हुई हैं. इसी को लेकर उन्होंने जब ज्योति मौर्य से बातचीत की तो उनके परिवार पर फर्जी आरोप लगाते हुए कई केस दर्ज कराए गए.

बागपत के अजय चौहान पुरकाजी में कर रहे कावड़ियों की सेवा

विवेक जैन

पुरकाजी, उत्तर प्रदेश। बागपत के जाने-माने समाजसेवी और पूर्व जिला पंचायत सदस्य अजय चौहान पाली हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी कावड़ियो की सेवा कर रहे है। इसी क्रम में वे बागपत-पुरकाजी मार्ग पर कावड़ियों को फल, पेय पदार्थ आदि का वितरण करते हुए पुरकाजी मैन रोड़ पर बिजली घर के निकट स्थित शिव कावड सेवा संघ अग्रवाल मण्डी टटीरी के कावड़ शिविर में पहुँचे और जमकर कावड़ियों की सेवा की। उन्होंने बताया कि भोलो की सेवा करने और शिव भक्ति में उनको जो आनन्द आता है, उसको वे शब्दों में व्यक्त नही कर सकते।

अंग्रेजी बोलने वाली लड़की सोकर उठी तो बोलने लगी कोई दूसरी भाषा! डॉक्टर भी हुए दंग

रोजाना कोई न कोई ऐसी खबरें पढ़ने को मिल जाती हैं, जिनके बारे में किसी को भी आसानी से भरोसा नहीं होता. चलिए आज हम आपको एक ऐसी खबर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में सुनकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे और इसे मानने तक से भी इनकार कर सकते हैं. दरअसल, ब्रिटेन में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसमें अंग्रेजी बोलने वाली एक ब्रिटिश महिला सो गई और जब वह उठी तो वह दूसरे ही एक्सेंट में बात करने लगी. जी हां, यह मजाक नहीं बल्कि एक महिला के साथ असल में हुआ. आपको बता दें कि वेल्स यूरोप में एक अलग देश है, जहां की भाषा भी अलग है.

हम आप सभी को एक ब्रिटिश महिला के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक दिन उठी और पता चला कि वह बिल्कुल अलग लहजे में बात कर रही थी. चिंता न करें, हम किसी फिल्म की स्क्रिप्ट नहीं बता रहे हैं, न ही कोई डरावनी कहानी बता रहे हैं. लिंकनशायर की रहने वाली जो कोल्स एक दिन उठी और उसे पता चला कि उसके पास एक बढ़िया वेल्श एक्सेंट है. ज़ो कोल्स ने सोचा कि यह सिर्फ सोकर उठने के बाद हो रहा है और उसने इग्नोर किया लेकिन वह 6 सप्ताह के बाद भी इस एक्सेंट से छुटकारा नहीं पा सकी. यह सब, दूसरे देश में कदम रखे बिना हुआ.

बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, ज़ो कोल्स को लगता है कि उसे फॉरेन एक्सेंट सिंड्रोम (एफएएस) हो गया है, यह एक दुर्लभ स्थिति है जो लोगों के बोलने के तरीके को बदल देती है. उनका अलग उच्चारण मूल रूप से जर्मन था, जो बाद में वेल्श में बदल गया. जो ने मीडिया को बताया, बहुत से लोग एफएनडी पीड़ित हैं लेकिन यह एक्सेंट सिंड्रोम. मेरे दिमाग में कुछ गलत हो गया है, जैसे कि कुछ सही नहीं है, क्योंकि पृथ्वी पर कौन है जो पूरी तरह से अलग एक्सेंट बोलता हुआ उठता है? इसलिए मैं किसी ऐसे व्यक्ति के साथ काम करना चाहूंगी जो मेरी मदद कर सके और फिर हम दूसरों की मदद कर सकें.

बिंदी लगाने पर थप्पड़ मारा तो छात्रा ने आत्महत्या की, आरोपी शिक्षिका समेत दो गिरफ्तार

धनबाद। झारखंड के धनबाद जिले में तेतुलमारी क्षेत्र के एक स्कूल की 10वीं कक्षा की 16 वर्षीया छात्रा ने सोमवार को इस बात से ग्लानि में आत्महत्या कर ली कि उसकी एक शिक्षिका ने उसे सिर्फ बिंदी लगाने पर प्रार्थना के समय सार्वजनिक तौर पर कथित तौर पर बेइज्जत किया और थप्पड़ मारा।

इसके बाद पुलिस ने मंगलवार को स्कूल के प्राचार्य एवं आरोपी शिक्षिका को विद्यालय से गिरफ्तार कर लिया। यहां बाघमारा की पुलिस उपाधीक्षक निशा मुर्मू ने बताया कि 10वीं की छात्रा 16 वर्षीया उषा कुमारी बिंदी लगाकर स्कूल चली गई थी। इस बात पर एक शिक्षिका ने आपत्ति जताते हुए स्कूल परिसर में ही सबके सामने उसे थप्पड़ जड़ दिया।

उन्होंने बताया कि इस घटना से आहत हुई छात्रा घर पहुंची और उसने पंखे से फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। निशा मुर्मू ने बताया कि उषा ने शिक्षिका एवं स्कूल के प्राचार्य को अपनी मौत के लिए जिम्मेदार बताते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग का एक पत्र भी पुलिस के नाम लिखा जो बरामद कर पुलिस ने मंगलवार को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। छात्रा की मौत की घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मृतका के परिजन और गांव वाले शव लेकर स्कूल के सामने धरने पर बैठ गए। परिजन स्कूल एवं अध्यापिका के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे।

5 में से 5 गए तो कितने बचे ? टीचर के सवाल पर बच्चे ने महफिल लूट ली

स्कूल से छोटे बच्चों के वीडियो कई बार सामने आते रहते हैं. इनमें बच्चों का कॉन्फिडेंस देखते ही बनता है. टीचर से सवाल-जवाब के दौरान उनकी हाजिर जवाबी लोगों को काफी पसंद आती है. इसी कड़ी में एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें एक बच्चे ने टीचर के इस सवाल का जवाब दिया कि 5 में से 5 चले गए तो आखिर कितना बचेगा. सवाल के जवाब में बच्चे ने जो जवाब दिया उसने महफिल लूट ली.

दरअसल, यह वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर सामने आया है. इसमें दिख रहा है कि एक बच्चा टीचर की तरफ देख रहा है. टीचर उसे पहले पूछता है 5 में से 5 गए तो कितना बचेगा. उसके बाद बच्चा कहता है कि उसे इसका जवाब नहीं पता है. फिर टीचर इस सवाल को मॉडिफाई करता है और पूछता है कि तुम्हारे पास अगर पांच भटूरे हैं और पांचों हमने ले लिया है तो तुम्हारे पास क्या बचेगा.

इसके बाद बच्चा तपाक से कह देता है कि मेरे पास छोला बचेगा. इतना कहकर वह खुद भी हंसने लगता है और उसका जवाब सुनकर क्लास में मौजूद बच्चे हंसने लगते हैं, साथ ही तालियां पीटने लगते हैं. इतना ही नहीं यह जवाब सुनकर टीचर भी अपना सिर पीट लेता है लेकिन बच्चे का अंदाज और बच्चे की क्यूटनेस देखकर उस पर नाराजगी नहीं आ रही है, बल्कि हंसी आ रही है.

फिलहाल यह वीडियो कब का है और कहां का है, इस बात की तो पुष्टि नहीं हो पाई है लेकिन यह जमकर वायरल हो रहा है. इसी कड़ी में लोगों की प्रतिक्रियाओं का दौर भी इस वीडियो पर शुरू हो गया है. कुछ लोगों का यह मानना है कि यह वीडियो स्क्रिप्टेड है और इसे जानबूझकर बनाया गया है. वहीं कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि चाहे जैसा हो, लेकिन यह बहुत ही क्यूट वीडियो है.

पुलिस ने फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया, 23 गिरफ्तार

पालघर। महाराष्ट्र पुलिस ने पालघर में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है, जो कथित तौर पर कनाडा के लोगों से धोखाधड़ी करता था और उन्हें ऑनलाइन ऑर्डर का भुगतान करने के लिए धमकाता था। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस मामले में अब तक 23 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) बालासाहेब पाटिल ने बताया कि शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात को पुलिस ने वाडा तालुका के नाने गांव में एक आवासीय परिसर की छठी मंजिल पर संचालित किए जा रहे कॉल सेंटर पर छापा मारा।पाटिल के मुताबिक, आरोपी 'एक्स-लाइट','आईबीम' और 'एक्स-टेन' जैसे ऐप का इस्तेमाल कर कनाडा के नागरिकों का नंबर हासिल कर लेते थे। इसके बाद ये लोग उनसे ऐसे ऑनलाइन सामान का भुगतान करने को कहते थे, जिसका ऑर्डर उन्होंने कभी दिया ही नहीं होता था। पाटिल ने बताया कि कॉल सेंटर में काम करने वाले लोगों को पीड़ितों से

बातचीत के लिए एक खास स्क्रिप्ट दी जाती थी और अगर पीड़ित उनकी बात नहीं मानते थे, तो आरोपी उन्हें आपराधिक तथा कानूनी कार्रवाई की धमकी दिया करते थे। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, आरोपी पीड़ितों से बिटकॉइन सहित अन्य तरीकों से भुगतान करने के लिए कहते थे।

उन्होंने बताया कि अरोपी पकड़ में आने से बचने के लिए वॉइस कॉल और रोबोटिक कॉल का सहारा लेते थे। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने कनाडा में कई लोगों के साथ ठगी की है और संदेह है कि उन्होंने अन्य देशों में भी लोगों को फोन किया होगा। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने कॉल सेंटर पर छापा मारकर 23 लोगों को गिरफ्तार किया है और गिरोह में शामिल चार लोग फरार हैं, जिन्हें पकड़ने की कोशिश की जा रही है। वाडा पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक सुरेश कदम ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच की जा रही है।

दुनिया का एकमात्र 1001 छिद्रों वाला महामृत्युंजय मंदिर

पितृदोष से पाना चाहते हैं मुक्ति, तो इस दिन करें यह उपाय

मध्य प्रदेश के रीवा जिले में भगवान भोलेनाथ के कई ऐसे मंदिर है जो काफी विख्यात है, लेकिन यहां एकमात्र ऐसा शिव मंदिर है जहां भगवान शंकर के महामृत्युंजयरूप की पूजा होती है. रीवा किला परिसर के अंदर स्थित इस मंदिर का निर्माण सोलहवीं शताब्दी में यहां के बघेल राजाओं के द्वारा करवाया गया था. मान्यता है कि यहां शिव जी की आराधना करने से लंबी आयु होती है और व्यक्ति के जीवन में आने वाले सभी संकट दूर होते हैं. इस शिवालय का महत्व द्वादश ज्योतिर्लिंगों के समतुल्य माना जाता है.

इस मंदिर में पूजा करने से नहीं होगी अकाल मृत्यु

शिव पुराण के अनुसार देवाधिदेव महादेव ने महा संजीवनी महामृत्युंजय मंत्र की उत्पत्ति की थी. महादेव ने इस मंत्र का गुप्त रहस्य केवल माता पार्वती को बताया था. यहां भगवान महामृत्युंजय मंत्र के जाप से सभी मनोकामना पूरी होती है. यहां श्रद्धालु देश के कोने-कोने से महामृत्युंजय भगवान के दर्शन के लिए आते हैं. पिछले 400 से अधिक वर्षों से यह किला महामृत्युंजय मंदिर के बगल में मौजूद है. किदवंती है कि महामृत्युंजय स्वामी के आशीर्वाद की वजह से ही रीवा कभी किसी का गुलाम नहीं रहा. न मुगलों के समय में, और न ही अंग्रेजों के शासनकाल में.

मंदिर में पूजा-आराधना स ` टलती है अकाल मृत्यु

इस मंदिर की एक रोचक कहानी है जिससे यह पता चलता है कि कैसे भगवान भोलेनाथ के महामृत्युंजय स्वरूप कैसे जीव मात्र की अकाल मृत्यु से रक्षा करते हैं. बघेल राजवंश के 21वें महाराजा विक्रमादित्य देव (वि.सं.1654-1681) ने इस इलाके में शिकार के दौरान भागते हुए एक चीतल के पीछे बाघ को देखा था. राजा यह देखकर हैरत में पड़ गए थे कि जब बाघ मंदिर वाले स्थान के पास पहुंचता था तो वो चीतल का शिकार नहीं कर पाता था. चीतल के पास पहुंच कर भी बाघ उसका शिकार किए बगैर लौट जाता था. उस जगह पर जाने से चीतल के प्राण बच जाते थे.

ऐसा एक नहीं, कई बार हुआ. राजा को यह देख कर बहुत आश्चर्य हुआ. उन्होंने उस स्थान पर खुदाई करवाई जिसमें गर्भ में महामृत्युंजय भगवान का सफेद शिवलिंग निकला. इस सफेद शिवलिंग की चर्चा शिवपुराण में महामृत्युंजय के रूप में की गई है. इसलिए यहां भव्य मंदिर का निर्माण करा शिवलिंग को स्थापित कर दिया गया.

जटोली शिव मंदिर के पत्थरों को थपथपाने से आती है डमरू की आवाज

हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में स्थित भगवान शिव-शंकर का यह मंदिर न सिर्फ भारत बल्कि एशिया का सबसे ऊंचा मंदिर है। इस मंदिर में दूर-दूर से भक्त दर्शन के लिए आते हैं। यह मंदिर अपने आप में कई रहस्यों को समेटे है। भारत में कई ऐसे मंदिर हैं, जिनके पीछे कई पौराणिक कथाएं और रोचक तथ्य सुनने को मिलते हैं। ऐसा ही एक मंदिर जटोली का शिव मंदिर है। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में स्थित भगवान शिव-शंकर का यह मंदिर न सिर्फ भारत बल्कि एशिया का सबसे ऊंचा मंदिर है। इस मंदिर की ऊंचाई करीब 111 फुट है। साल 2013 में इस मंदिर को दर्शनार्थ के लिए खोला गया था। इस मंदिर में भगवान शिव का आशीर्वाद पाने के लिए दूर-दूर से भक्त पहुंचते हैं। वहीं महाशिवरात्रि के दिन इस मंदिर में पैर रखने की भी जगह नहीं होती है। वहीं वास्तुकला की दृष्टि से भगवान शिव का यह मंदिर काफी अद्भुत है। राजगढ़ रोड पर भगवान शिव का जटोली मंदिर स्थित है। यह सोलन से करीब 8 किमी दूर है। इस मंदिर की हैरान करने वाली बात यह है कि मंदिर के पत्थरों को थपथपाने से डमरू की आवाज आती है। इस मंदिर का निर्माण दक्षिण-द्रविड़ शैली में किया गया है। बताया जाता है कि इस मंदिर को बनाने में पूरे 39 साल का समय लगा था। जटोली मंदिर के ऊपरी छोर पर 11 फुट ऊंचा सोने का कलश भी स्थापित है। यह कलश मंदिर की सुंदरता को बढ़ाने का काम करता है।

मंदिर की पौराणिक कथा-जटोली मंदिर की मान्यता के अनुसार इस मंदिर में भगवान शिव आए थे। वह इस मंदिर के कुछ समय के लिए रुके थे। जिसके बाद सिद्ध बाबा श्रीश्री 1008 स्वामी कृष्णानंद परमहंस ने इस स्थान पर आकर कठिन तपस्या की थी। स्वामी कृष्णानंद परमहंस के मार्गदर्शन और दिशा-निर्देशों पर ही जटोली शिव मंदिर का निर्माण शुरू किया गया था।

भक्तों की प्रार्थना जल्दी सुनते हैं चिंतामन स्वामी गणेश, जानिए क्यों बनाया जाता है उल्टा स्वास्तिक

वैसे तो हमारे देश में भगवान गणेश के कई मंदिर हैं। लेकिन मध्यप्रदेश की राजधारी भोपाल से 35 किमी दूर सीहोर में स्थित स्वयंभू गणेश जी का मंदिर काफी फेमस है। इस मंदिर को लेकर किंवदिंतिया लोगों के बीच फेमस हैं।

वैसे तो पूरे देश में भगवान गणेश के कई मंदिर हैं। लेकिन भगवान गणेश के कुछ मंदिरों को लेकर तमाम तरह की किवदंतियां लोगों के बीच प्रचलित हैं। ऐसा ही एक मंदिर सीहोर में स्वयंभू गणेश जी का मंदिर है। इस मंदिर को चिंतामन गणेश मंदिर भी कहा जाता है। इस स्थान को सिद्ध स्थल माना जाता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको चिंतामन गणेश जी के मंदिर के बारे में कुछ रोचक तथ्यों के बारे में बताने जा रहे हैं। बता दें कि सीहोर का सिद्धि विनायक मंदिर अपनी ऐतिहासिक विरासत के लिए जाना जाता है। इस मंदिर को चिंतामन सिद्ध गणेश मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। चिंतामन सिद्ध गणेश मंदिर सीहोर उत्तर पश्चिम दिशा में गोपालपुर गांव में स्थित है। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपास से यह मंदिर करीब 35 किमी दूर स्थित है।

मंदिर का इतिहास-लोक कथाओं के अनुसार, उज्जैन के शासक महाराज विक्रमादित्य ने 155 विक्रम में इस मंदिर का निर्माण श्रीयंत्र के अनुरूप करवाया था। जिसके बाद मराठा पेशवा बाजीराव ने मंदिर का नवीनीकरण करवाया था। बुधवार के दिन यहां पर भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। वहीं गणेश चतर्थी के दिन इस मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहता है।

इस मंदिर में स्थापित गणेश जी की प्रतिमा आधी खड़ी हुई और आधी जमीन के अंदर धंसी हुई है। जिसके कारण भक्तों को आधी मूर्ति के दर्शन हो पाते हैं।

माना जाता है कि यह स्वयंभू भगवान गणेश जी की प्रतिमा है। इसलिए इस मंदिर की प्रतिमा का प्रताप अन्य जगहों से ज्यादा माना जाता है। बताया जाता है कि इस मंदिर में अनेक तपस्वियों ने सिद्धि प्राप्त की है। मान्यता के अनुसार, जो भी भक्त यहां पर अपना दुखड़ा सुनाता है। स्वयंभू श्री गणेश स्वयं भक्त के हर संकट को हर लेते हैं। कहा जाता है कि इस मंदिर में स्वास्तिक का उल्टा निशान बनाने के भक्तों का हर काम सिद्ध होता है।

लोकमंगलकारी शिव स्वरूप का साकार होना

प्रत्येक वर्ष श्रावण के पावन महीने में लगने वाले प्रसिद्ध श्रावणी मेला अवधि में सुलतानगंज की महिमामयी गंगा के तट पर स्थित अजगैबीनाथ धाम से लेकर देवघर के द्वादश ज्योतिर्लिंग बाबा बैद्यनाथ धाम के करीब 110 किमी के विस्तार में मानो शिव का विराट लोक मंगलकारी स्वरूप साकार हो उठता है। समस्त वातावरण कांवड़धारी शिव-भक्तों के जयकारे से गुंजायमान रहता है।भगवान शंकर, देवों के देव महादेव कहलाते हैं। धार्मिक मान्यता है कि श्रावण मास में जब समस्त देवी-देवतागण विश्राम करते हैं, वहीं भगवान भूतनाथ गौरा पार्वती के साथ पृथ्वी-लोक पर विराजमान रहकर अपने भक्तों के कष्ट-कलेश हरते हैं और उनकी मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

आस्था है कि श्रावण मास के दिनों में भगवान शंकर बैद्यनाथ धाम और अजगैबीनाथ धाम में साक्षात? विद्यमान रहते हैं जहां उनकी अर्चना द्वादश ज्योतिर्लिंग और अजगैबीनाथ महादेव के रूप में होती है। सुलतानगंज में गंगा उत्तरवाहिनी है, जिसका विशेष महात्म्य हैं। भगवान शंकर को गंगा का जल अत्यंत प्रिय है। फिर भला भक्तगण कैसे चूकते। और, चल पड़ी परिपाटी सुलतानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा का जल कांवर में लेकर बाबा बैद्यनाथ पर अर्पित करने की।

श्रावण के महीने में सुलतानगंज से देवघर तक के विस्तार में कांवरिया तीर्थयात्रियों के कांवरों में लचकती-मचलती गंगा मानों बहती-सी जाती हैं- जैसे दो-दो गंगा बहती हैं श्रावण में- एक कांवरों में सवार होकर देवघर की ओर, और दूसरी अविरल बहती हुई बंगाल की खाड़ी की ओर। मेले में लगी दुकानों में सुलतानगंज में कांवरों में लगे प्लास्टिक के लाल, पीले, हरे, गुलाबी खिले-खिले फूल अनुपम दृश्य उपस्थित करते हैं, लगता है मानो सावन में वसंत का आगमन हो गया हैं। यदि हम पौराणिक संदर्भ लें तो वह कांवड़-यात्रा आर्य और अनार्य संस्कृतियों के मेल और संगम को दर्शाता है।

देवघर में जल अर्पण करके लौटते समय शिव-भक्त कांवरिये न सिर्फ धार्मिक और आध्यात्मिक रूप से अपने को परिपूर्ण पाते हैं, वरन? प्रकृति के सीधे साहचर्य में रहने के कारण वह अपने अंदर एक नयी ऊर्जा और उत्फुल्लता महसूस करता है। भगवान शंकर पर जल का अर्पण हमें शांति और शीतलता का ही तो संदेश देता प्रतीत होता है।

श्रावणी मेले के दिन करीब आते ही शिवभक्तों के मन में बाबा के दर्शन की उमंगें हिलोरे लेने लगती हैं। आषाढ़ पूर्णिमा के अगले दिन से ही यह मेला प्रारंभ हो जाता है। जलाभिषेक के लिए देशभर से शिवभक्तों की भीड़ उमड़ती है। वैसे कुछ वर्ष पहले तक सोमवार को जल चढ़ाने की जो होड़ रहती थी, वह अब उतनी नहीं है। सवा महीने तक चलने वाले इस मेले में अब हर रोज कांवड़ियों की भीड़ लाखों की संख्या पार कर जाती है। इस अर्थ में यह किसी महाकुंभ से कम नहीं है। झारखंड के देवघर में लगने वाले इस मेले का सीधा सरोकार बिहार के सुलतानगंज से है। यहीं गंगा नदी से जल लेने के बाद बोल बम के जयकारे के साथ कांवड़िये नंगे पांव देवघर की यात्रा आरंभ करते हैं।

देवघर स्थित शिवलिंग का अपना खास महत्व है क्योंकि शास्त्रों में इसे मनोकामना लिंग कहा गया है। यह देश के 12 अतिविशिष्ट ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है। यह बैद्यनाथ धाम के नाम से भी जाना जाता है।

आस्था है कि श्रावण मास के दिनों में भगवान शंकर बैद्यनाथ धाम और अजगैबीनाथ धाम में साक्षात? विद्यमान रहते हैं जहां उनकी अर्चना द्वादश ज्योतिर्लिंग और अजगैबीनाथ महादेव के रूप में होती है। सुलतानगंज में गंगा उत्तरवाहिनी है, जिसका विशेष महात्म्य हैं। भगवान शंकर को गंगा का जल अत्यंत प्रिय है। फिर भला भक्तगण कैसे चूकते। और, चल पड़ी परिपाटी सुलतानगंज से उत्तरवाहिनी गंगा का जल कांवर में लेकर बाबा बैद्यनाथ पर अर्पित करने की।

पौराणिक आख्यानों में कांवड़ यात्रा की कथाएं

आखिर वह कौन था जिसने कांवड़ उठाकर पहली बार हर की पैड़ी के गंगाजल से भगवान भोलेनाथ का महा जलाभिषेक किया था? किसने उठाई थी पहली कांवड़? पवित्र श्रावण मास में गंगाजल की महायात्रा का पहला वाहक कौन बना था? ये कुछ सवाल हैं जो बार-बार पूछे जाते हैं। आज श्रावण कृष्ण पक्ष में प्रतिपदा से लेकर शिवरात्रि तक हरिद्वार से गंगाजल भरकर करोड़ों कांवड़िए देश भर में जलाभिषेक करते हैं। आखिर ऐसा क्या है कि श्रावण लगते ही हर कोई शिव भक्ति में झूमने लगता है। देश के कोने-कोने से शिवभक्त अपनी कांवड़ में गंगाजल भरने गंगोत्री से हरिद्वार की ओर चल पड़ते हैं। इसके साथ ही संपूर्ण भारतवर्ष शिवमय हो जाता है।

गंगा के पत्थरों से शिवलिंग स्थापना

दरअसल, कावंड यात्रा के आरंभ को लेकर अनेक पौराणिक आख्यान विद्यमान हैं। कांवड़ यात्रा से जुड़ी प्रचलित कथा के अनुसार, पहली कांवड़ त्रेतायुग में विष्णु के अवतार परशुराम ने चढ़ाई थी। उन्होंने ही हर की पैड़ी से पत्थर निकालकर शिवलिंग की स्थापना पुरा महादेव के रूप में की थी। पौराणिक विद्वान आचार्य बृहस्पताचार्य के अनुसार, अत्याचारी राजाओं का दलन कर परशुराम ने हर की पैड़ी पर आकर गंगा से पत्थर निकाले। तब गंगाजी से अलग होने के दु:ख में समस्त पाषाण रो पड़े। इसके उपरांत भगवान परशुराम ने आश्वासन दिया कि श्रावण मास में वे पहली कांवड़ स्वयं ले जाकर गंगा से निकाले गए शिव लिंगों से गंगा का मिलन कराएंगे। मान्यता है कि गंगा को दिया वचन निभाते हुए आज भी श्रावण के पहले दिन भगवान परशुराम पहली कांवड़ भरने हर की पैड़ी आते हैं।

राजा सहस्त्रबाहु का प्रसंग

एक अन्य पौराणिक कथानक के अनुसार, प्राचीन काल में एक बार राजा सहस्त्रबाहु ऋषि जमदग्नि के आश्रम में आए। दरअसल, राजा सहस्त्रबाहु अपनी सेना के साथ एक युद्ध के उपरांत लौट रहे थे और पानी पीने के लिए वहां रुक गए। राजा सहस्त्रबाहु यह देखकर हैरान रह गए कि ऋषि ने कुछ ही समय में उन्हें तथा उनकी पूरी सेना को और उनके हाथी-घोड़ों को भोजन करा दिया था। राजा सहस्त्रबाहु के पूछने पर पता चला कि ऋषि के पास कामधेनु नाम की दिव्य गाय है। उससे जो मांगो वह पल भर में सब कुछ प्रदान कर देती है।

प्रायश्चित से जुड़ी कथा

गाय के दिव्य गुणों के बारे में सुनकर सहस्त्रबाहु के मन में उसी पल लालच आ गया। लालच से वशीभूत राजा सहस्त्रबाहु ने ऋषि जमदग्नि से कामधेनु मांगी। लेकिन ऋषि ने राजा को स्पष्ट मना कर दिया। कहा जाता है कि इस बात से कुपित होकर सहस्त्रबाहु ने जमदग्नि ऋषि की हत्या कर दी। यह जानकारी जब ऋषिपुत्र परशुराम को मिली तो बेहद व्यथित?और क्रुद्ध हुए। प्रतिशोध की अग्नि में जल रहे ऋषिपुत्र परशुराम ने सहस्त्रबाहु की हत्या कर दी। कहा जाता है कि कालांतर अपनी तपस्या के प्रभाव से ऋषिपुत्र परशुराम ने पिता जमदग्नि को पुनर्जीवित कर दिया। लेकिन इस घटनाक्रम के उपरांत पिता ने कहा कि अब सहस्त्रबाहु की हत्या का पश्चाताप तो तुम्हें करना ही पड़ेगा। इसके लिए ऋषि ने अपने आश्रम के पास गंगा से पत्थर लाकर शिवलिंग स्थापना का आदेश दिया।

पत्थरों का रुदन

कालांतर ऋषिपुत्र परशुराम ने ऐसा ही किया और हर की पैड़ी से शिवलिंग लेकर पुरा में शिवलिंग की स्थापना की। बताते हैं कि गंगा के आंचल में रहने वाले पाषाण अपने साथी के गंगा से अलग होने पर रोने लगे। पत्थरों ने ऋषिपुत्र परशुराम से अनुनय-विनय की कि उसे मां गंगा से अलग न करो।

शिव चौदस को जलाभिषेक परंपरा

बताते हैं कि तब ऋषिपुत्र परशुराम ने कहा कि प्रत्येक सावन में वे स्वयं कांवड़ उठाएंगे और पुरा महादेव में जलाभिषेक करेंगे। जहां परशुराम ने शिव लिंग स्थापित किया वह स्थान आज पुरा महादेव कहलाता है और शिवरात्रि के दिन लाखों श्रद्धालु यहां कांवड़ चढ़ाने आते हैं। ऋषि ने फिर कहा कि आने वाले श्रावण मास में हर की पैड़ी से जल लाकर पुरा में स्थापित शिव लिंग का अभिषेक करो। परशुराम ने पहली कांवड़ उठाई और शिव चौदस के दिन जलाभिषेक किया। तभी से यह परम्परा श्रावण मास में चली आ रही है। बता दें कि फागुन की शिवरात्रि पर भी कांवड़ चढ़ाई जाती है।

डीएम ने गंगा के बढ़ते जलस्तर को लेकर निगरानी रखें जाने दिए निर्देश

बीपीएस न्यूज

कानपुर ।गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के दृष्टिगत जिलाधिकारी विशाख जी0 द्वारा गंगा बैराज में जल प्रबंधन हेतु सिंचाई विभाग द्वारा बनाए गए कन्ट्रोल रूम एवं गंगा कटरी क्षेत्रांतर्गत लोधवा खेड़ा गांव का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिशासी अभियंता, सिंचाई, तहसीलदार सदर एवं बैराज विभाग के अधिकारियों को निम्न निर्देश दिए गए गंगा नदी में लगातार बढ़ रहे जल स्तर के दृष्टिगत जिला प्रशासन तथा सिंचाई विभाग 24 घंटे एलर्ट मोड में रहते हुए लगातार जल स्तर पर निगरानी रखा जाए।

तहसीलदार सदर को निर्देशित किया गया कि सभी बाढ़ चौकियों को सक्रिय करते हुए उनमें आवश्यक राहत सामग्री की व्यवस्था कराना सुनिश्चित करें ।तहसीलदार सदर को निर्देशित करते हुए कहा कि बढ़े हुए जल स्तर से प्रभावित गांवों में रहने वाले व्यक्तियों को चिन्हित करने की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए ।गंगा जल स्तर बढ़ने की स्थिति पर प्रभावित गांवों में रहने वाले ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की समस्त व्यवस्थाएं कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही तत्काल करा ली जाए ।अधिशासी अभियंता, सिंचाई विभाग को निर्देशित किया कि नरौना इत्यादि अपस्ट्रीम के अन्य सभी बांधों/ बैराजों के संबंधित अधिकारियों से संपर्क में रहते हुए छोड़े जाने वाले जल स्तर की स्थिति के अनुरूप अपने जनपद की तैयारी करना सुनिश्चित करें एवं जल स्तर के संबंध में गंगा किनारे आवासित लोगों को समयबद्ध सूचना प्रदान करें। तत्पश्चात जिलाधिकारी द्वारा चौबेपुर के भिंडुरी गांव में एन0एच0-91 के चौड़ीकरण के कारण गांव में जल भराव की समस्या के दृष्टिगत गांव का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी, बिल्हौर, एन0एच0ए0आई0 तथा पी0एन0सी0 के संबंधित अधिकारियों को निम्न निर्देश दिए ।उप जिलाधिकारी, बिल्हौर को निर्देशित किया गया कि तहसील क्षेत्रांतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे जिन-जिन गांवों में जल भराव की समस्या उत्पन्न हो रही है, उन गांवों में जल भराव की समस्या के निदान हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए ।कार्यदाई संस्था पी0एन0सी0 द्वारा कराए गए नाला निर्माण कार्य से गांवों में जलभराव की समस्या उत्पन्न होने के दृष्टिगत कार्यदाई संस्था पी0एन0सी0 के विरुद्ध धारा 133 सीआरपीसी का नोटिस निर्गत किए जाने के निर्देश सहायक पुलिस आयुक्त को दिये ।ग्रामीणों को जलभराव की समस्या से तत्काल निदान कराने के लिए जल निकासी हेतु पर्याप्त संख्या में पंप लगाने के निर्देश कार्यदायी संस्था के उपस्थित अधिकारी को दिए ।कार्यदायी संस्था पी0एन0सी0 के उपस्थित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराने की प्लानिंग करते हुए नाला निर्माण कराना सुनिश्चित किया जाए।

साथ ही एन0एच0-91 के किनारे जिन-जिन मार्गों में जल भराव की समस्या उत्पन्न हो रही है, उसके निस्तारण हेतु स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर शीघ्र समाधान कराने के निर्देश दिए गए।

पेंशन अदालत में सत्रह वादों में कुल सात वाद किए गए निस्तारित

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मण्डलायुक्त कानपुर/ अध्यक्ष पेंशन अदालत लोकेश एम0 की अध्यक्षता में आयुक्त शिविर कार्यालय में वित्तीय वर्ष की प्रथम पेंशन अदालत का आयोजन किया गयाद्य पेंशन अदालत में 08 पुराने वाद एवं 09 नए पेंशन वादों कुल 17 वादों की सुनवाई हुईद्य सुनवाई के दौरान कुल 17 वादों में 04 पुराने वाद एवं 03 नए पेंशन वाद (कुल 07 वाद) मौके पर ही निस्तारित कर दिए गए द्यअध्यक्ष ने पेंशन अदालत में शेष अनिस्तारित पेंशन प्रकरणों को निस्तारित करने हेतु संबंधित कार्यालय के अधिकारियों को आगामी एक माह में निस्तारण कर पेंशन अदालत एवं वादी को अवगत कराने के निर्देश दिए।

अदालत में अजय जोहरी, अपर निदेशक कोषागार पेंशन, सदस्य एवं संयोजक पेंशन अदालत, विनोद कुमार सिंह मुख्य कोषाधिकारी (निदेशक पेंशन उत्तर प्रदेश लखनऊ के प्रतिनिधि) तथा विमल प्रकाश सहायक लेखाधिकारी तथा समस्त वादी एवं संबंधित विभाग के अधिकारी व प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे ।

सावन की शिवरात्रि पर मंदिरों में भक्तों का उमड़ा सैलाब

कानपुर। कानपुर में शिव मंदिरों में शनिवार सुबह से भक्तों की भारी भीड़ दिखाई दी । सावन के महीने में आज त्रयोदशी और शनि प्रदोष का योग बना है। त्रयोदशी को सावन की शिवरात्रि मनाई जाती है। भगवान भोलेनाथ के विशेष पूजन का विशेष महत्व सावन के प्रदोष में माना जाता है। ऐसे में इस साल सावन दो माह का है। इस सावन के प्रथम प्रदोष पर शनिवार का दिन शनि प्रदोष का योग बन रहा है, जो अत्यंत ही महत्वपूर्ण है। इसलिए आज के दिन भगवान भोलेनाथ के भक्त मंदिरों में सुबह से दर्शन के लिए पहुंचे ।कानपुर शहर में कई प्राचीन शिव मंदिर हैं। मुख्य शहर की बात की जाए तो परमट स्थित श्री आनंदेश्वर मंदिर जो गंगा घाट के किनारे बना हुआ है। यहां शनिवार को सुबह 4:30 बजे मंगला आरती के बाद से ही शिवभक्तों की लंबी कतारे यहां दिखाई दी। शहर के अन्य मंदिरों में जिनमें गंगा घाट किनारे जाजमऊ में बना बाबा सिद्धनाथ मंदिर में भी भक्तों की भीड़ दिखाई दी ।ऐसे ही खरेश्वर मंदिर,नागेश्वर मंदिर,कैलाश मंदिर,जागेश्वर मंदिर समेत अन्य शिव मंदिरों में भी शनि प्रदोष सावन की शिवरात्रि पर भक्त विशेष पूजन करने में लीन दिखाई दिए।

एडीजी जोन ने मोहर्रम की तैयारियों के सम्बन्ध में समीक्षा गोष्ठी कर दिये निर्देश

बीपीएस न्यूज

कानपुर। आलोक सिंह, अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन, कानपुर द्वारा वीडियों कांफ्रेसिंग के माध्यम से पुलिस महानिरीक्षक, कानपुर परिक्षेत्र, कानपुर व पुलिस उपमहानिरीक्षक, झांसी परिक्षेत्र, झांसी एवं कानपुर जोन के समस्त जनपद प्रभारियों के साथ प्रत्येक थानों में सीसीटीवी कैमरा के क्रय/ अधिष्ठापन करायें जाने व मोहर्रम पर्व की तैयारियों के सम्बन्ध में समीक्षा गोष्ठी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

पर्यावरण बचाने के लिए फूलबाग पार्क में रोपित किए पौधे

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मानव उत्थान सेवा समिति के तत्वाधान में उत्तराखंड सरकार में कैबिनेट मंत्री सुविख्यात समाज सेवी सतपाल महाराज की प्रेरणा से गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी 2जुलाई से 16 जुलाई तक भारत के अधिकांश प्रांतों में जब वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है इसी श्रृंखला में 15 जुलाई को गांधी प्रतिमा फूलबाग पार्क में 41 पौधे लगाए गए । वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ स्पोर्ट्स डायरेक्टर (कानपुर क्लब कैंट) संजय गुप्ता एवं श्री हंस मंदिर प्रभारी साध्वी चंदन बाई जी, प्रज्ञा बाई जी द्वारा किया गया।

मानव उत्थान सेवा समिति एक अखिल भारतीय आध्यात्मिक व सामाजिक संस्था है संस्था द्वारा विश्व स्तर पर आध्यात्मिक ज्ञान प्रचार के अलावा सामाजिक कार्य जैसे गरीब एवं असहाय बच्चों को शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराना निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन करना, पर्यावरण बचाने के लिए पेड़ों को लगाना तथा स्वच्छता अभियान चलाना प्राकृतिक आपदा के समय पर दवाइयां उपलब्ध कराना आदि सेवा कार्य किया जा रहा है जैसा कि आप सभी जानते हैं कि हमारी धरती पर जीवन की कल्पना करना असंभव है आज ग्लोबल वार्मिंग, वायु प्रदूषण, बाढ़, जलवायु प्रदूषण जैसे संकटों का सामना कर रहा है प्रकृति अपना स्वभाव बदल रही है जो चिंता का विषय है। अतः हम सभी का कर्तव्य है कि वनीकरण जैसे अभियान से जुड़कर प्रकृति को बचाने में अपना योगदान दें।इस अवसर पर संस्था के शैलेंद्र पाल, सोनू सैनी लक्ष्मी नारायण शर्मा, करन कठेरिया, गोलू पाल, आदि भक्तगण उपस्थित रहे।

चाय चर्चा पर व्यापारी बंधुओं को दिए चुनाव जीतने के टिप्स

कानपुर। भाजपा बुंदेलखंड अध्यक्ष प्रकाश पाल, रियो रेस्टोरेंट माल रोड़ पहुंचे जिस पर राजकुमार भक्तानी ने माला पहना कर वह मोमेंटो देकर सम्मान किया जिस पर प्रकाश पाल ने चाय पर चर्चा कर व्यापारी बंधुओं को 2024 के चुनाव को जीतने का मंत्र दिए 7 इस मौके पर प्रमुख रुप से राजकुमार भक्तानी,राजेंद्र कुमार भक्तानी,प्रमोद पाल व व्यापारी बंधु उपस्थित रहे।

कारखाने गोलक में रखे ढाई लाख रुपये और सामान उठा ले गए चोर

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर में घाटमपुर थाना क्षेत्र के एक कारखाने में चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया। शनिवार सुबह जब मालिक कारखाने पर पहुंचे तो उन्हें घटना की जानकारी हुई।

उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौक़े पर पहुंची पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है ।शीतलपुर गांव निवासी राहुल सिंह ने घाटमपुर थाने पहुंचकर पुलिस को शिकायत पत्र देकर बताया की गांव में उसका मिठाई के डिब्बे बनाने का कारखान है। शुक्रवार रात कारखाने में घुसे चोरों ने कारखाने के अंदर गोलक में रखे ढाई लाख रुपए व दूसरी पन्नी में रखे 20 हजार रुपये समेत गाड़ी के कागज, एलसीडी, सीसीटीवी और सामान चोरी कर लिया ।वह सुबह जब कारखाना पहुंचे तो उन्हें घटना की जानकारी हुई। उन्होंने पुलिस को घटना की सूचना दी है। मौक़े पर पहुंची पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी है।

मत्स्य महाविद्यालय में प्रशान्त फाउंडेशन ने कराया वृक्षारोपण

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में इटावा स्थिति मत्स्य महाविद्यालय एवं शोध केन्द्र परिसर में प्रशान्त फाउंडेशन के सहयोग से वृक्षारोपण कराया गया । वृक्षारोपण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद के जिला कृषि अधिकारी कुलदीप सिंह राणा ने प्रतिभाग किया। महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ0 जे0 पी0 यादव ने मुख्य अतिथि को रुद्राक्ष का वृक्ष भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही प्रशांत फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ0 हेमंत यादव ने भी मुख्य अतिथि को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में अधिष्ठाता ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश में पर्यावरण बहुत प्रभावित हो रहा है हम सभी को अधिक से अधिक वृक्षारोपण कर पृथ्वी को हरा भरा करने का संकल्प लेना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रत्येक छात्र एक एक पौधा लगाएं और जब तक आप अपनी डिग्री प्राप्त करें तब तक उस पौधे की देख भाल करें ।जिससे सभी पौधे जीवित रह सकें ।कार्यक्रम समाप्ति पर डॉ0 ध्रुव कुमार ने आए हुए सभी अथितियों को धन्यवाद प्रेषित किया ।कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ0 ध्रुव कुमार , डॉ0 कैलाश चंद्र, सतेंद्र पाल,अनिल कुमार, रोहित रंजन, माधव प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

सेना ने किया भूमि कटाव वाले क्षेत्रों में वृक्षारोपण

बीपीएस न्यूज

कानपुर । भारतीय सेना की 137 सी ई टी एफ टी ए बटालियन 39 गोरखा राइफल गंगा टास्क फोर्स ने ग्राम माजरा पीपर खेड़ा, विकासखंड सिकंदरपुर कर्ण, जिला उन्नाव में जन जागरूकता अभियान चलाया । इस अवसर पर ग्रामीणों को एकत्रित करके गंगा जी से होने वाले भूमि कटाव से कैसे बचाव करें और साथ ही बांस के पौधों का वृक्षारोपण किया गया। गंगा टास्क फोर्स के कमान अधिकारी कर्नल वेदव्रत वैद्य और कानपुर स्थित कंपनी कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल अनूप कुमार ओझा के दिशा निर्देश पर विगत 5 सालों से गंगा स्वच्छता अभियान,पौधा रोपण, घाटो की गश्त, जारुकता अभियान निरंतर कर रही है, इस अवसर पर ग्राम पीपर खेड़ा के महिला एवं पुरुष और गंगा टास्क फोर्स से नायब सूबेदार दल बहादुर बस्नेत एवं अन्य जवान मौजूद रहे।

मोबाइल को ऑन-ऑफ करके लोकेशन बदल रहा है हत्यारोपी,पुलिस के हाथ खाली

कानपुर। कानपुर के महाराजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत महोली गांव से लापता कुसुम का पांच दिन बाद भी पुलिस कोई सुराग नहीं लगा पाई है। वहीं शातिर भतीजा पुलिस को चकमा देने के लिए मोबाइल को ऑन-ऑफ करके लोकेशन बदल रहा है। जिससे पुलिस को लोकेशन ट्रेस करने में असुविधा हो रही है ।महाराजपुर पुलिस के अनुसार, अब तक आरोपियों की लोकेशन महाराजपुर,रुमा,चकेरी,रामादेवी समेत कई जगह मिल रही है। जिससे यही मानना है कि दोनों भतीजे यहीं शहर में कहीं छिपे हैं। बता दें कि महाराजपुर क्षेत्र के महोली गांव निवासी रामचन्द्र की पत्नी कुसुम सोमवार से घर से लापता हैं। आशंका जताई जा रही है कि कुसुम की हत्या भतीजों ने की है। मृतक महिला के भाई प्रतापगढ़ निवासी सूर्यभान सिंह ने भतीजे बब्लू, आशू, बबलू की पत्नी बीना व साले सौरभ के खिलाफ हत्या कर शव को गायब कर देने का मुकदमा महाराजपुर थाने में दर्ज कराया है ।पुलिस के मुताबिक, बबलू और आशू के मोबाइल की लोकेशन बार बार बदल रहे हैं। बीच-बीच में वह मोबाइल को ऑन ऑफ करते हैं। जिससे पुलिस को लोकेशन ट्रेस करने में परेशानी हो रही है। हालांकि पुलिस का ये भी मानना है कि दोनों आरोपी एक ही मोबाइल का प्रयोग कर रहे है। महाराजपुर पुलिस ने हत्यारोपी बीना को हिरासत में लेकर भी घटना व फरार बब्लू और आशु के सम्बंध में पूछताछ की गई।

खेती के लालच में भतीजो ने की थी चाची कुसुम की हत्या पुलिस ने 72 घन्टे के अंदर किया हत्याकांड का खुलासा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। खेती के लालच में चाची की हत्या करके शव को बोरे में भरकर ठिकाने लगाने वाले दोगले भतीजे और उनके एक साले को थाना महाराजपुर पुलिस टीम ने वारदात के 72 घंटे के अंदर ही गिरफ्तार कर लिया है। अभियुक्तों की निशानदेही पर पुलिस ने बोरी में भरे शव को बरामद कर लिया है। अभियुक्तों से पूछताछ कर पुलिस विधिक कार्यवाही कर रही है। वहीं पुलिस को घटना की सूचना देने वाले कैब चालक मनोज को पुलिस द्वारा पुरुस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

यह था घटनाक्रम 12 जुलाई को थाना महाराजपुर पर पंजीकृत धारा भादवि की घटना में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु टीमें गठित करके अभियुक्तों की गिरफ्तारी के परिणाम स्वरूप पुलिस ने तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार किया और महिला कुसुम के शव को बरामद किया खेती बंटवारे को लेकर उतारा मौत के घाट अभियुक्तों से घटना के बारे में हुई पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्त आशु उर्फ राघवेन्द्र सिंह पुत्र स्व0 शिवबहादुर सिंह निवासी महोली थाना महाराजपुर कानपुर नगर उम्र 28 वर्ष ने बताया कि चाचा रामचन्द्र कम बुद्धि के हैं। करीब 20 वर्ष पहले रामचन्द्र की पत्नी कुसुम चाची है जो गाँव से चली गयी थी और इस वर्ष दीवाली के समय गाँव में वापस आ गयी तथा रामचन्द्र के घर में सामान रखकर रहने लगी। रामचन्द्र काफी समय से खेत में बने ट्यूबेल पर रहते हैं गाँव में नही आते है जब मेरी चाची 20 साल बाद वापस आयी तो इन्होंने चाचा रामचन्द्र के खेत के हिस्से की बात करना शुरू कर दी। जब हम लोगो को इस बात की जानकारी हुई तब सदमा लगा और हम लोगो को ऐसा लगने लगा कि अब मेरी चाची कुसुम चाचा की कम बुद्धि का फायदा उठाकर खेत अपने नाम करवा लेगी।

सिर पर दाहिने तरफ से गोली घुसी और बाएं तरफ से आर-पार होकर बाहर निकल गई

फोरेंसिक टीम ने पिस्टल और बुलेट को जांच के लिए भेजा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। पूर्व सपा एमएलसी दिलीप उर्फ कल्लू यादव के भतीजे की मौत के बाद नवाबगंज थाने की पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा था। विशेष अनुमति पर रात में ही शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। इसके बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सिर पर दाहिने तरफ से गोली घुसी और बाएं तरफ से आर-पार होकर बाहर निकल गई। सिर पर गोली और अधिक खून बहने की वजह से मौत हुई है ।मूल रूप से कानपुर देहात, सिकंदरा के रहने वाले दिलीप सिंह उर्फ कल्लू यादव सपा के पूर्व एमएलसी व कद्दावर नेता हैं। दिलीप सिंह कानपुर के लखनपुर सेल टैक्स दफ्तर वाली रोड पर परिवार के साथ रहते हैं। दिलीप के भतीजे आलोक यादव ने शुक्रवार को कनपटी पर गोली मारकर सुसाइड कर लिया। घटना के बाद जांच के लिए फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने पिस्टल और बुलेट को जांच के लिए भेजा है ।सुसाइड कांड की जांच कर रहे एसीपी कर्नलगंज अकमल खान ने बताया,पेरिस की लामा कंपनी की पिस्टल से युवक ने सुसाइड किया है। पिस्टल पर 9 एमएम लिखा हुआ है। जबकि पिस्टल 32 बोर का है। जांच के दौरान 9 एमएम के पिस्टल की बुलेट डालकर देखी गई तो पिस्टल में नहीं लगा ।वारदात के बाद फोरेंसिक टीम जब मौके पर पहुंची तो दंग रह गई। टीम को मौके से जो पिस्टल मिली उस पर 9 एमएम लिखा था। भारत में 9 एमएम की पिस्टल बैन है। लाइसेंस के मुताबिक पिस्टल आल इंडिया परमिट है। फोरेंसिक जांच की रिपोर्ट आने के बाद ही साफ हो सकेगा कि आखिर पिस्टल कितने बोर की है। प्राथमिक जांच में प्रतिबंधित बोर का पिस्टल नहीं मिला है। गन शॉप वालों से पड़ताल करने पर सामने आया कि बहुत सारे लोग अपनी पिस्टल पर रौब या खुद को विशेष बताने व जताने के लिए 9 एमएम लिखवा लेते हैं।

बाइक सवार तीन लोगों को अज्ञात वाहन ने मारी टक्कर,दो की मौत

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के बिल्हौर में देर रात सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई। बाइक सवार तीन लोगों को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दो लोगों ने मौके पर दम तोड़ दिया। जबकि एक घायल हुआ है। ये हादसा अरौल थाना क्षेत्र के हाईवे पर मेडुआ गांव के पास हुआ है। पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।अरौल थाना प्रभारी प्रेमचंद कनौजिया ने बताया कि मेडुआ गांव निवासी सुभाष चंद्र कटिहार (53), राम मोहन (65) और मनीष कुमार (22) तीनों खेत पर मक्का सुखाकर बाइक से गांव जा रहे थे। हाईवे पर गांव के पास किसी अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी ।हादसे में तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने तीनों घायलों को एंबुलेंस से सीएससी ले गई। जहां परीक्षण के बाद डॉक्टरों ने सुभाष चंद्र व मोहन को मृत घोषित कर दिया। वहीं,मनीष कुमार को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में कानपुर के लिए रेफर कर दिया। थाना प्रभारी ने बताया कि टक्कर मारने वाले वाहन का पता लगाया जा रहा है।

युवक ट्रेन की चपेट में आया,मौत

बीपीएस न्यूज कानपुर। शुक्रवार रात भी दादा नगर में क्रॉसिंग का गेट बंद होने के बाद भी नीचे से निकलने के चक्कर में बाइक सवार मैनेजर ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई ।जरौली फेस-टू निवासी अंकित सचान (30) दादानगर स्थित एक कंपनी में मैनेजर था। बहनोई सोनू ने बताया कि अंकित की शादी वर्ष 2018 को नेहा से हुई थी, जिससे एक साल का बच्चा है। शुक्रवार रात वह ड्यूटी से घर लौट रहा था। दादा नगर रेलवे क्रॉसिंग बंद थी।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2021-2023, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।